CMYK

दैनिक

जयपुर टाइम्स

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 | अंक : 39 | ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, शुक्रवार 28 फरवरी, 2025 | ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | ■ मूल्य : 1.5 रुपए | ■ पृष्ठ : 8+2

सीएम के उदार दिल का विपक्ष भी हो गया कायल, की तारीफ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निभाई अहम भूमिका, सात दिन से जारी गतिरोध समाप्त

कांग्रेस के छह विधायकों का निलंबन निरस्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। विधानसभा में लंबे समय से जारी गतिरोध आखिरकार समाप्त हो गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस गतिरोध को समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सकारात्मक पहल और संवाद से विपक्ष को भी संतोषजनक समाधान मिला। मुख्यमंत्री ने सदन का नेता होने के नाते मैं स्वयं माफी मांगता हूं। कहकर मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुरुआत से ही इस गतिरोध को खत्म करने के प्रयास किए। उन्होंने विपक्ष से संवाद कायम किया और सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार चाहती है कि सदन में सार्थक बहस हो, ताकि 2025-26 के शानदार बजट पर चर्चा हो सके और इसकी घोषणाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने निभाई पुल की भूमिकाः

इस गतिरोध को खत्म करने में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी अहम योगदान दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के बीच संवाद स्थापित कर समाधान का मार्ग प्रशस्त किया।

विपक्ष ने भी की मुख्यमंत्री की तारीफः

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस पहल की विपक्षी नेताओं ने भी सराहना की। सदन में अब सकारात्मक माहौल बन गया है और निलंबित विधायकों की वापसी के बाद बहस के लिए अनुकूल स्थिति तैयार हो गई है।

बजट पर होगी विस्तृत चर्चाः

अब सभी की नजरें नेता प्रतिपक्ष के भाषण पर टिकी हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और अधिक स्पष्ट होगा। सरकार के बजट में युवा, महिलाएं, किसान और मजदूरों के लिए कई शानदार घोषणाएं की गई हैं, जिन पर विस्तृत चर्चा होगी। मुख्यमंत्री की इस पहल से सदन की गरिमा बनी रही और सकारात्मक राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत हुआ।

क्षमा बडन को चाहिए, छोटन को उत्पात

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने टीकाराम जूली के भाषण पर जवाब देते हुए कहा कि यह बात हम अधिकतर सुनते आए हैं कि क्षमा बड़न को चाहिए छोटन को उत्पात...अर्थात उत्पादन करने की भी कोई सीमा होती है। विधानसभा अध्यक्ष ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह पहली और आखरी बार है, जब माफी का मान रखा जा रहा है। भविष्य में अगर किसी प्रकार की कोई गलती होती है तो माफी नहीं चलेगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने यह भी कहा कि जिस प्रकार की निम्न स्तर की टिप्पणियां की गई है, उनको भी दोहराया नहीं जा सकता, साथ ही विधानसभा अध्यक्ष बोले कि आज के बाद अगर कोई भी आसान की तरफ आएगा तो उसके लिए निलंबन का प्रस्ताव लाने की जरूरत नहीं होगी वह खुद ही निलंबित माना जाएगा।

इन विधायकों का निलंबन निरस्त

गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, हाकम अली खान, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन गैसावत और संजय कुमार का निलंबन रद्द किया गया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने दिया धन्यवाद

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन के नेता व मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया कि उन्होंने पहल कर वार्ता की और गतिरोध को समाप्त किया। उन्होंने कहा कि अगर यह वार्ता पहले हो जाती तो विपक्ष को धरना नहीं देना पड़ता और ना ही सदन में रात्रि प्रवास करना पड़ता। जूली ने कहा कि मैं सदन के नेता से शिकायत भी करना चाहूंगा कि यही पहल यदि तीन-चार दिन पहले हो जाती, तो यह गतिरोध पहले ही समाप्त हो जाता। हमने हमेशा कहा है क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात। सदन हम सबका है और इसे मिलकर ही चलाना चाहिए। इस दौरान जूली ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की टिप्पणी पर भी माफी मांगी। उन्होंने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है और किसी भी टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंची हो तो उसके लिए खेद व्यक्त किया जाता है।

नेता प्रतिपक्ष ने विपक्ष की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि आओ, मिलकर कोई वजह ढूंढें एक होने की। यूं बिखरे- बिखरे ना तुम अच्छे लगते हो, ना हम। यही सदन की खूबसूरती रही है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गई एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी के बाद विधानसभा में विवाद गहरा गया था, जिसके चलते विपक्ष ने धरना दिया और रातभर सदन में रुका। अब वार्ता के बाद गतिरोध समाप्त हो गया है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक में हंगामा, आपस में भिड़े कार्यकर्ता

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। जिस भाजपा पार्टी को अनुशासित पार्टी के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, गुरुवार को इसी भाजपा पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक में कुछ कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए और एक दूसरे पर जूतमपैजार कर दी। बता दें कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक गुरुवार को जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के नव-निर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ मौजूद रहे। इस बैठक में मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष व जिला महामंत्री शामिल हुए। बैठक का माहौल शुरुआत में तो संयमित था, लेकिन जैसे ही प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ मंच पर पहुंचे, वैसे ही भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के दो वरिष्ठ नेताओं के बीच विवाद हो गया।

मंच पर ही भिड़े कार्यकर्ता जैकी और महामंत्री जावेद कुरैशीः

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के स्वागत के लिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के वरिष्ठ नेता जैकी आगे बढ़े, लेकिन जैसे ही वह प्रदेशाध्यक्ष को मंच पर लेकर पहुंचे, वैसे ही अल्पसंख्यक मोर्चा महामंत्री जावेद कुरैशी ने उन्हें मंच पर चढ़ने से रोक दिया। इस रोक को जैकी ने व्यक्तिगत अपमान के रूप में लिया और आवेश में आकर मंच पर ही जावेद कुरैशी से भिड़ गए।

कुछ ही सेकंड में दोनों नेताओं के बीच हाथापाई शुरू हो गई। प्रदेशाध्यक्ष की मौजूदगी की परवाह किए बिना, जैकी ने जावेद कुरैशी पर हाथ छोड़ दिया। इसके बाद मंच पर 30 सेकंड तक दोनों नेता गुत्थम- गुत्था होते रहे। यह सब देख रहे प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ स्थिति को नियंत्रित करने के बजाय शांत बैठकर इस घटनाक्रम को देखते रहे। बैठक में पहले से ही मीडिया को आमंत्रित किया गया था और यह पूरा घटनाक्रम कैमरों में कैद हो गया। चूंकि घटना लाइव रिकॉर्ड हो रही थी, इसलिए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ इस मामले में किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया देने से बचते दिखे। राजनीतिक तौर पर यह एक संवेदनशील मुद्दा बन सकता था, इसलिए प्रदेशाध्यक्ष ने खुद को इससे दूर रखना ही बेहतर समझा। बैठक में मौजूद कई कार्यकर्ता इस विवाद को लेकर मज़ाक करते देखे गए। कुछ कार्यकर्ताओं ने हंसी-मज़ाक में यह भी कहा कि अगले चुनाव में अल्पसंख्यक मोर्चा के भीतर यह गुटबाज़ी और बढ़ सकती है।

न्यूज इनबॉक्स

राज्य सरकार सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध : दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.). कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार पुरातात्विक महत्व के देवालयों, प्राचीन मंदिरों व स्मारकों के संरक्षण और उन्नयन के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कि जैसलमेर में देवालयों और प्राचीन मंदिरों में मरम्मत और जीर्णोद्धार के सभी आवश्यक कार्य करवाए जाएंगे। कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री गुरुवार को प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्य की ओर से पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देश की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए संवेदनशील है। जीर्णशीर्ण मंदिरों व स्मारकों के मरम्मत का कार्य एक सतत प्रक्रिया है, जिसे वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार करवाया जाता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जैसलमेर स्थित नभडूंगरी -शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए वर्तमान स्थिति का प्राथमिकता से परीक्षण करवा कर आवश्यकतानुसार कार्य करवाया जाएगा। इससे पहले विधायक छोटूसिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने जैसलमेर जिले में पुरातात्विक महत्व के देवालय और प्राचीन मंदिरों की सूची सदन के पटल पर रखी।

जयपुर में फिर गैस लीक, मचा हड़कंप

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। जयपुर के करधनी थाना इलाके में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जब टोरेंट कंपनी की अंडरग्राउंड सीएनजी गैस पाइप लाइन लीक हो गई। यह घटना 9 दुकान इलाके के पास हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। गैस लीक होने की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग, सिविल डिफेंस टीम और टोरेंट कंपनी का फील्ड स्टाफ मौके पर पहुंचा। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार बुडानिया भी स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर रवाना हुए। सुरक्षा के लिहाज से आसपास के इलाके को खाली कराया गया और वाहनों का आवागमन रोक दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पीएनजी गैस सप्लाई तुरंत बंद कर दी गई। जांच में पाया गया कि 90 एमएम MDPE पाइपलाइन में करीब डेढ़ इंच का पंचर हो गया था, जिससे गैस तेजी से लीक हो रही थी। मरम्मत कार्य तेजी से शुरू किया गया, जिसके तहत गड्ढे को जेसीबी से चौड़ा किया गया और पाइप पर क्लैंप लगाया गया। इसके बाद लीकेज को पूरी तरह बंद कर पाइप में बची गैस को रिलीज किया गया, जिससे आसपास के इलाके को सुरक्षित किया जा सके।

डॉ. सतीश पूनियां ने नरेन्द्र सहू व गंगाजल मील के निधन पर जताया शोक

जयपुर टाइम्स

श्रीगंगानगर(एजेंसी.)। भाजपा हरियाणा प्रभारी, राजस्थान भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां अपने एकदिवसीय श्रीगंगानगर प्रवास के दौरान श्रीगंगानगर जिले में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। डॉ. पूनियां सुबह हनुमानगढ़ से रवाना होकर भाजपा श्रीगंगानगर के जिला महामंत्री नरेन्द्र सहू के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके गांव कालवासिया पहुंचे जहां उन्होंने स्वर्गीय नरेन्द्र सहू को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने नरेंद्र सहू के शोक संतृप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

इसके बाद उन्होंने सूरतगढ़ के पूर्व विधायक गंगाजल मील के निवास पर पहुंचकर गंगाजल मील को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने गंगाजल मील के अनुज और राजस्थान जाट महासभा के प्रदेशाध्यक्ष राजाराम मील सहित समस्त परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। डॉ सतीश पूनियां ने चक पांच एलएनपी पहुंचकर सादुलशहर विधायक गुरबीर सिंह बराड़ और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान चक पांच एलएलपी में ही उन्होंने अनुराग बराड़ के घर पहुंचकर उनके घर पर आयोजित निजी कार्यक्रम में भाग लिया। अपने श्रीगंगानगर प्रवास कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकर्ता सुशील वर्मा के घर पहुंच कर उनके पिता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। गांव गणेशगढ़ में भाजपा नेता बृजमोहन सहारण के निवास पर पहुंचकर उनकी भाभी शांति देवी सहारण के निधन पर शोक प्रकट किया।

इस दौरान सतीश पूनियां के साथ श्रीगंगानगर भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनियां, अनुसुचित जाति मोर्चा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, हनुमानगढ़ भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू, श्रीगंगानगर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष आत्माराम तरड़, अनूपगढ़ की पूर्व विधायक संतोष बावरी, पूर्व विधायक अशोक नागपाल, भाजपा नेता अमित सहू व काशीराम गोदारा, पूर्व हनुमानगढ़ भाजपा जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई, पूर्व सादुलशहर नगरपालिका चेयरमैन प्रदीप खीचड़, जिला मीडिया प्रभारी श्रीचंद चौधरी, जिला महामंत्री प्रदीप धेरड़ एडवोकेट, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सतपाल कासनियां, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप मंडा, श्याम धारीवाल, महेश पेड़ीवाल, चेष्टा सरदाना, शिव स्वामी, पवन गौड़, सुनिल गांधी, राजु छाबड़ा व चंद्रशेखर गौड़ सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ऑन ड्यूटी वर्दी में रील बनाना पड़ा भारी, एसएचओ सस्पैंड

जयपुर टाइम्स

मोतिहारी(निसं.)। मोतिहारी में एक महिला दारोगा इन दिनों अपने वर्दी में रील बनाने में इस तरह मशगूल है कि क्षेत्र के लोग सोशल मीडिया पर उनके अदा के कायल हो रहे हैं। अब उन पर कार्रवाई हुई है। एसपी ने उस महिला दरोगा को सस्पेंड कर दिया है।

महिला दरोगा सोशल मीडिया पर रील्स बनाकर हो गई वायरल

मोतिहारी में क्राइम कंट्रोल करने के लिए जिले के पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। रोज जिले की पुलिसिंग को सुधारने के लिए नए नए तरकीब का इस्तेमाल करते रहते हैं। वहीं दूसरी तरफ एक महिला दरोगा सोशल मीडिया पर रील्स बनाकर वायरल हो रही हैं, जिससे पुलिस विभाग की काफी

किरकिरी हो रही है। ताजा मामला पहाड़पुर थाना क्षेत्र का है, जहां कार्यरत एक महिला दरोगा प्रियंका गुप्ता इन दिनों सोशल मीडिया पर रील बनाकर क्षेत्र में खूब वायरल हो रही है। मैडम तो ऑन ड्यूटी भी रील बनाने से नहीं चूकती है, चाहे भले ही पुलिसिंग के काम से निकली हो या बैंक की जांच में। इतना ही नहीं मैडम सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल भी रील बनाने के लिए ही करती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में कार्यक्रम

सिरोही में राजस्थान का पहला नवसृजन एक्वा लेजर शो समाज को समर्पित

जयपुर टाइम्स

सिरोही(निसं.)। राजस्थान का पहला और एकमात्र नवसृजन एक्वा लेजर शो आमजन के लिए समर्पित कर दिया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इसका शुभारंभ फीता काटकर और शिवलिंग का रुद्राभिषेक कर किया। इस दौरान उन्होंने थ्रीडी फिल्म देखी और स्टूडियो में इंटरव्यू देकर आयोजन की शुरुआत की। कार्यक्रम के अंत में दर्शकों ने ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक ब्रह्मा बाबा के जीवन पर आधारित नवसृजन वॉटर लेजर शो का आनंद लिया।

भगवान शिव की पूजा से मिलती है आध्यात्मिक ऊर्जाः

समारोह को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान शिव की पूजा और अभिषेक से हमें एक नई आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है।

शिव का ज्ञान और योगबल हमारे दृष्टिकोण को नई दिशा देते हैं।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन पुरातनता और वैज्ञानिकता का अनूठा संगम है। उन्होंने दादी प्रकाशमणि को याद करते हुए कहा कि उन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन में ज्ञान, प्रेम और वात्सल्य का प्रकाश फैलाया। उनके नाम पर बना दादी प्रकाशमणि विजडम पार्क और यह नवसृजन शो समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाएगा। उन्होंने महाशिवरात्रि के अवसर पर संकल्प लेने का आह्वान किया कि हम सभी समाज से बुराइयों को समाप्त करने और आध्यात्मिक ऊर्जा के माध्यम से समाज में बदलाव लाने के लिए कार्य करें।

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण में जुटी ब्रह्माकुमारीज़

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि शिव बाबा की कृपा से आज देश-विदेश में करोड़ों लोग ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े हैं और आध्यात्मिक ज्ञान व ऊर्जा के माध्यम से समाज में बदलाव ला रहे हैं। ये भाई-बहन केवल ज्ञान का प्रचार ही नहीं कर रहे बल्कि सामाजिक बुराइयों को खत्म करने, सत्य का प्रकाश फैलाने और व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य भी कर रहे हैं।

हर क्षेत्र में योगदान दे रही ब्रह्माकुमारीज़ संस्था

उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने पर्यावरण संरक्षण के लिए करोड़ों वृक्षारोपण किए, नशा मुक्ति अभियान चलाया और ग्रामीण विकास, आपदा राहत, महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जब समाज में विसंगतियां बढ़ती हैं तो आध्यात्मिक ऊर्जा और संस्कार ही उन्हें सुधारने में मदद करते हैं।

एक दिन सतयुग जरूर आएगा

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि ब्रह्मा बाबा का यह संकल्प था कि एक दिन सतयुग आएगा। जब हम सामूहिक रूप से सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे, तो सामाजिक कुरीतियां और विषमताएं समाप्त होंगी। हर धर्म सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश देता है, और जब हम सब मिलकर प्रयास करेंगे, तो सतयुग अवश्य आएगा।

CMYK

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
28 फरवरी, 2025

महाशिवरात्रि पर ठाकुर जी महाराज का किया भव्य श्रृंगार, बाबा श्याम की निशान यात्रा 4 मार्च को

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निस)। कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन पर पर जगन्नाथ जी महाराज साक्षी गोपाल राधा रानी मदन मोहन महाराज को आकर्षक नवीन पोशाक धारण कराई गई और ठाकुर जी महाराज का आकर्षक श्रृंगार किया गया मंदिर के महंत पंडित मदन मोहन शास्त्री ने बताया कि सुबह प्रातः मंगला आरती में भगवान श्री जगन्नाथ जी महाराज की महा आरती की गई और आरती के पश्चात भोग लगाया गया भोग प्रसाद सभी भक्तों में वितरण किया गया शास्त्री ने बताया कि 4 मार्च को बाबा श्याम की निशान यात्रा और नगर भ्रमण का कार्यक्रम होगा उन्होंने बताया की बाबा श्याम की निशान यात्रा और नगर भ्रमण कस्बे के गणेश पोल रिद्धि सिद्धि महाराज मंदिर से प्रारंभ होकर कुम्हार मोहल्ला बस स्टैंड पट्टा यरी कीडूंगरी मेला का चौराहा सराय बाजार गोल मार्केट काकवादी बाजार होते हुए चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचेगी जहां बाबा श्याम की महा आरती का आयोजन होगा और प्रसाद वितरण किया जाएगा मंदिर को भव्य आकर्षक रूप दिया जाएगा साथ ही भगवान श्री जगन्नाथ जी महाराज और खाटू श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार होगा इस मौके पर महंत पूरन दास पंडित मदन मोहन शास्त्री पंडित रोहित शर्मा मुकुल बढ़ाया अमन पवार मयूर खंडेलवाल गिर्राज लखेरा कन्हैया लाल लखेरा गायत्री देवी मीरा खूंटेटा हरिओम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

विद्युत बिल भुगतान की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी के नाम सोपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निस)। कस्बे के ग्राम बल्लुपुरा के लोग सरकारी बोर से पानी भरते है जिसका विद्युत बिल सरपंच द्वारा जमा कराया जाता है ग्रामवासी गिर्राज ,जगदीश,मोहन लाल आदि ने बताया कि पिछले 10 वर्षों से उक्त बोर से पानी भर रहे है वर्तमान सरपंच से लेकर पूर्व सरपंच बिल का भुगतान कर रहे थे किंतु कुछ माह से उक्त बोर का बिल जमा नही हो रहा जिसके चलते 24 फरवरी को विद्युत विभाग द्वारा उक्त बोर का कनेक्शन विच्छेद कर दिया जिस पर ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत में मौखिक रूप से वार्ता की तो पंचायत द्वारा कहा कि बिल जमा कराने के लिए पैसे नही है ऐसे में ग्रामवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ग्रामवासियों ने उपखंड अधिकारी से मांग की ग्राम पंचायत पुराना राजगढ़ के सरपंच व सचिव को विद्युत बिल भुगतान करने के निर्देश दिए जाए जिससे ग्रामवासियों की परेशानी हल हो सके इस मौके पर भगवती, प्रभुदयाल, लेखराज, मोहन,जगदीश,गिर्राज आदि लोग मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि का पर्व पर मनाया धूमधाम से

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। महाशिवरात्रि के भव्य पर्व पर आदर्श कॉलोनी दाउदपुर से समस्त कॉलोनी वासी सिंधु भवन समिति के अध्यक्ष गोविंद राम मिगलानी व समस्त कार्यकारिणी एवं राधे मंडल के द्वारा शिव बारात का आयोजन किया गया यह बारात सुभाष पार्क से चलकर जनकपुरी, दया नगर, गिराज दर्शन कॉलोनी, मुल्तान नगर कॉलोनी होते हुए सिंधी धर्मशाला पर पहुंची जिसमें शिव पार्वती का अभिनय अशोक मेठी एवम शिखा खंडेलवाल के द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम राधे मंडल के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता की देखरेख में किया गया उपाध्यक्ष मान सिंह चौधरी कार्यकर्ता राम खंडेलवाल, लखन खंडेलवाल, राजकुमार गुप्ता, अनुराग छाबड़ा एवं सिंधी मंदिर के पुजारी तिरलोकी नाथ शर्मा के द्वारा वर्णमाला का आयोजन सम्पूर्ण कराया गया एवं अगले दिन प्रसाद वितरण किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी करेगी अब आन्दोलन, जिला परिवहन कार्यालय अलवर में बढ़ते भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला परिवहन कार्यालय अलवर में बढ़ते भ्रष्टाचार और विगत डेढ़ महिने से लाइसेंस के लिए भटक रहे लोगों की परेशानियों को देखते हुए अलवर जिला कांग्रेस कमेटी राजस्थान सरकार और अलवर आरटीओ ऑफिस के खिलाफ जनहित में सडकों पर उतर कर आंदोलन करेगी। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कि पिछले करीब एक महीने से अलवर आरटीओ कार्यालय में बढ़ते भ्रष्टाचार और लोगों के लाइसेंस नही बनने के समाचार मीडिया की सुर्खियां बने हुए है लेकिन राजस्थान सरकार ने आज तक इस कार्यालय के खिलाफ कोई कार्यवाही अमल में नही लाई है।उन्होंने बताया कि उनसे कुछ ऐसे युवा मिले है जिनके लर्निंग लाइसेंस समाप्त हो चुके है लेकिन यहां मौजूद ऑटोमेटिक ट्रैक सुचारू रूप से काम नही कर रहा है यहां कोई भी लाइसेंस अ यार्थी पास नही हो पा रहा है जबकि पूर्व में 7 जनवरी से पहले यहां करीब रोजाना 60 लाइसेंस अ यर्थी पास किए जाते रहे है ऐसा अचानक क्या हो गया जो इस ट्रैक पर कोई भी अ यार्थी पास नही हो पा रहा है।

उन्हें मीडिया के माध्यम से पता चला है कि विभाग इस ट्रैक को खराब बता कर बंद करवाने के मूड में है ताकि वे यहां फिर से इंस्पेक्टरों के हाथ में लाइसेंस की कमान थमा दे और इंस्पेक्टर कागजी ड्राइवर पैदा करे जो आए दिन दुर्घटना का कारण बनेगे। उन्होंने कहा कि वे विभाग के अधिकारियों की ट्रैक बंद करने की मंशा को कभी पूरा नही होने देगे क्योंकि यह ट्रैक कांग्रेस पार्टी ने अपने शासन काल में करोड़ों रुपये की लागत से बनवाया था ताकि यहां आने वाला प्रत्येक लाईसेंस धारक परिपूर्ण वाहन चला सके तभी उसे लाईसेंस जारी किया जाएं। मिश्रा ने आरटीओ विभाग को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उन्होंने इस ऑटोमेटिक ट्रैक को बंद करने का प्रयास भी किया तो कांग्रेस चुप नही बैठेगी वहीं उन्होंने कहा कि पता चला है कि यहां वाहन निरीक्षण से लेकर हर फाईल पर सुविधा शुल्क लिया जा रहा है जो कि भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है इसलिए विभाग इस प्रकार की कारगुजारियों से बचे और जनता का काम पूर्ण ईमानदारी से करे वरना कांग्रेस राजस्थान सरकार और आरटीओ ऑफिस के खिलाफ जनहित में प्रदर्शन करेगी।

जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया रीट परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। जिला कलक्टर किशोर कुमार एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने गुरुवार को आयोजित राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट)-2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इंजीनियरिंग पॉइंट, एनडी गंगा, सेठ गोपाल दास, गीता देवी डिग्री कॉलेज, आदर्श विद्या मंदिर, भारती पीजी कॉलेज केंद्रों का निरीक्षण किया।

जिला कलेक्टर ने बताया कि परीक्षा में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के परीक्षा में सम्मिलित हो सकें एवं अपने भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकें। उन्होंने केंद्रों का निरीक्षण कर बायोमेट्रिक एवं फेस रिकॉग्निशन प्रणाली का स्वयं जायजा लिया। उन्होंने परीक्षार्थियों की पहचान सत्यापित करने एवं फर्जी अभ्यर्थियों की पहचान करने हेतु बायोमेट्रिक तथा फेस रेकग्निशन तकनीक का उपयोग उच्च स्तर से आए निर्देशों के अनुसार करने के निर्देश दिए तथा पूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली एवं चिकित्सा सहायता जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि परीक्षा में पारदर्शिता के मद्देनजर जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में स्थापित किए गए कंट्रोल रूम से सीसीटीवी के माध्यम से परीक्षा आयोजन पर नजर रखी गई। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण कर परीक्षा से जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू करने हेतु सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को, पेपर और ओएमआर शीट की सुरक्षा एवं गोपनीयता, कानून व्यवस्था, प्रश्न पत्रों के सुरक्षित परिवहन, परीक्षार्थियों की सुविधाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

जिले 40 प्रगतिशील किसानों का दल मशरूम उत्पादन की उन्नत तकनीकी का प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु दिल्ली रवाना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। किसानों को नई तकनीक सिखाने के उद्देश्य से जिले 40 प्रगतिशील किसानों का दल राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान नई दिल्ली में सात दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए रवाना हुआ। प्रशिक्षण दल को अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय योगेश डागुर एवं कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीना ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीना ने बताया कि किसानों से कहा कि संस्थान के विषय विशेषज्ञों से अच्छी तरह करें व कृषि में नवाचार करें तथा प्रशिक्षण में सीखी गई मशरूम उत्पादन तकनीकों का अपने गांवों में अधिकाधिक प्रचार-प्रसार कर अन्य किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करें। उप निदेशक आत्मा डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि

मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2024-25 में राजस्थान कौशल एवं क्षमता संवर्धन घोषणा के तहत आत्मा योजनान्तर्गत जिले की अलग-अलग पंचायत समितियों से चयनित 40 प्रगतिशील किसानों के दल को 5 मार्च तक मशरूम उत्पादन की उन्नत तकनीकी व प्रसंस्करण विषय के संबंध में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान में भेजा गया है।

श्री त्रिपोलेश्वर शिव शक्ति सेवा समिति का मंगल आयोजन

महाशिवरात्रि पर्व का 9 दिवसीय कार्यक्रम खप्पर पूजन के साथ हुआ सम्पन्न

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। श्री त्रिपोलेश्वर शिव शक्ति सेवा समिति द्वारा महाशिवरात्रि पर्व का 9 दिवसीय आयोजित कार्यक्रम का गुरुवार को खप्पर पूजा के साथ समापन हुआ। गुरुवार को सुबह सुबह 10 बजे त्रिपोलिया महादेव मंदिर में खप्पर पूजन और जोगी बाबा का पूजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर महंत ने अलवर सहित देश में सभी के लिए मंगल प्रार्थना की ओर भगवान से सुख-शांति व समृद्धि की कामना की।

मंदिर महंत जितेंद्र खेड़ापति ने बताया कि खप्पर पूजन और जोगी बाबा का पूजन अवसर पर भक्तों को मंदिर की ओर से दाल चावल का प्रसाद वितरित किया गया। दोपहर में मंदिर में मंगल गीत गाए गए ओर शाम को शिव-पार्वती की मनमोहक झांकी सजाई गई तथा महिला श्रद्धालुओं द्वारा पार्वती मां का स्वागत कर मंगल गीत गाए गए।

श्रद्धालुओं ने मां पार्वती को उपहार भी भेंट किए। इसके बाद त्रिपोलेश्वर शिव शक्ति सेवा समिति द्वारा मंदिर की ओर से महिलाओं को भी उपहार भेंट कर भगवान का आशीर्वाद प्रदान किया गया। मंदिर में भगवान की मनमोहक झांकी देखने का सिलसिला रात 11 बजे तक चलता रहा, फिर देर रात महाआरती का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया।

जिला प्रशासन का नवाचार 'मिशन आकाश'

आंगनबाडी केन्द्रों पर एनिमिया एवं कुपोषण की जांच एवं उपचार करना सुनिश्चित करें- डां. शर्मा

जिले में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को एनिमिया व कुपोषण मुक्त करने हेतु आयोजित किया जा रहा है अभियान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी अलवर डां. मंजू शर्मा ने बताया कि भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार द्वारा एनीमिया की समस्या से निदान हेतु एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में एनीमिया मुक्त कुपोषण बचाव हेतु जिला कलक्टर के निर्देशन में अलवर जिले में मिशन आकाश' एनीमिया एवं कुपोषण मुक्त अलवर अभियान का शुभारंभ 14 फरवरी से शुरू किया गया। इस अभियान के सफल संचालन को लेकर दिनांक 27 फरवरी को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डां. योगेन्द्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सीएमएचओ कार्यालय के सभाकक्ष में दोपहर आयोजित की गई। उन्होने बताया कि जिले में लक्षित 130449 बच्चे एवं 10537 गर्भवती महिलाओं की जांच एवं उपचार हेतु जिले की समस्त आंगनबाडी केन्द्रों पर एनिमिया एवं कुपोषण की जांच एवं उपचार करना सुनिश्चित करें, इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते। इस दौरान अभियान में की गतिविधियों की समीक्षा करते हुये जिले के सभी 0 से 6 वर्ष तक के सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग के दौरान लक्षणों के आधार पर हिमोग्लोबिन की जांच कर गंभीर एवं अत्ति गंभीर एनीमिया से ग्रसित को राजकीय उच्च चिकित्सा संस्थान पर शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा उपचार के लिए भेजा जायेगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने हेतु ब्लॉक स्तर पर चिकित्सा विभाग के कार्मिको का प्रशिक्षण भी आयोजित किया जा रहा है एवं अन्तर विभागीय समन्वय जिला परिषद, चिकित्सा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग महिला अधिकारिता विभाग, शिक्षा विभाग, राजीविका विभाग, एनजीओ एवं आमजन आदि का भी सहयोग लिया जायेगा।

इस अवसर पर सांख्यिकी अधिकारी, डीएनओ मनीष कुमार, डीपीसी डूंगाराम भौवाल, राकेश कुमार, डॉ. दिनेश मीना, डॉ. शोलर मीना, तरूण, चंचल कुमार जैन, पूजा, अजय रूची एवं मोहित आदि उपस्थित रहे।

37 साल बाद अलवर में हुई लायन्स क्लब की तीसरी केबिनेट मीटिंग

जयपुर टाइम्स

अलवर (निस)। तकरीबन 37 वर्षो बाद आयोजित लायंस क्लब्स इंटरनेशनल (प्रांत 3233 ई-1) के पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स की कंसल्टेटिव मीटिंग एवं डिस्ट्रिक्ट केबिनेट की तृतीय सभा सर्वोदय 2025 का आयोजन रिवाज़ रिसॉर्ट्स (मंगल परिणय), अलवर में आयोजित किया गया इस मीटिंग में हीरो ऑफ़ द इवेंट डिस्ट्रिक्ट 3233 ई 1 के सबसे सीनियर पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन मानक चन्द गुप्ता रहे प्रांतपाल पीएमजेएफ सुनील अरोड़ा ने बताया कि पहले ये केबिनेट मीटिंग गंगानगर में करने का विचार था लेकिन वहाँ दुरी के कारण बहुत कम लोग पहुँच पाते है इसलिए मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दोनों स्थानों से लायन मेम्बर्स आ सके इसलिए इस मीटिंग को अलवर में आयोजित किया गया पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन मानक चन्द गुप्ता के प्रस्ताव पर पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स की कंसल्टेटिव मीटिंग एवं उनकी सहमती पर तीसरी केबिनेट मीटिंग अलवर में आयोजित की गयी दोनों मीटिंग लायंस ऑफ अलवर - लायंस क्लब अलवर मत्स्य, लायंस क्लब अलवर सीटी व लायंस क्लब अलवर के संयुक्त आतिथ्य में सम्पन्न हुई पूर्व प्रांतपाल लायन मानक चंद गुप्ता ,पी.डी.जी., एम.जे.एफ.लायन इंजी.सुभाष जोशी पी.डी.जी एम.जे.एफ.लायन शशि गोयल के द्वारा दोनों मीटिंग्स के दिशानिर्देशन दिए गए पूर्व प्रांतपाल लायन मानक चंद गुप्ता ,पी.डी.जी., एम.जे.एफ.लायन इंजी.सुभाष जोशी, द्वारा इस दरमियान कई छोटी छोटी मीटिंग्स का आयोजन किया गया जिसमे अलवर के तीनो क्लब्स - लायंस ऑफ अलवर, लायंस क्लब अलवर मत्स्य, लायंस क्लब अलवर सीटी व लायंस क्लब अलवर के सभी पदाधिकारियों ने आकर पूरी योजना तैयार की गयी छोटी से छोटी बातो पर प्रकाश डालकर लिस्ट तैयार की गयी सभी के प्रस्ताव पर कार्यक्रम संयोजक एम.जे.एफ. लायन गिरीश गुप्ता (रीजन चेयरपर्सन ङ्ग रीजन 2 सांवरियाँ) के नेतृत्व में स्वागत कमेटी की इंचार्ज लायन संध्या अग्रवाल, ट्रांसपोर्ट कमेटी के इंचार्ज लायन सत्यनारायण अग्रवाल एवं लायन गोविन्द गोयल , परचेजिंग कमेटी इंचार्ज लायन अनिल बंसल, रजिस्ट्रेशन कमेटी एवं किट डिस्ट्रीब्यूशन कमेटी के इंचार्ज लायन घनश्याम गुप्ता , आवासीय कमेटी इंचार्ज लायन महेश धनावत, आई टी कमेटी लायन एमजेएफ डॉ. मंजू अग्रवाल , मंच सज्जा कमेटी के इंचार्ज लायन रविन्द्र गर्ग, फ़ूड कमेटी के इंचार्ज लायन सुरेश चन्द गुप्ता, वनभ्रमण कमेटी लायन गोविन्द गोयल एवं लायन सत्यनारायण अग्रवाल को नियुक्त किया गया साथ ही उनके सहयोग हेतु अन्य लायन सदस्यों को भी सहयोग हेतु नियुक्त किया गया कार्यक्रम में सहभागिता निभाने वाले समस्त लॉयन सदस्यों उपहार स्वरूप किट प्रदान की गई मंच संचालन पूर्व प्रांतपाल अशोक ठाकुर ने किया डिस्ट्रिक कॉर्डिनेटर लायन ओपी मंगल ने बताया कि इस सभा में प्रांत के अधिकांश पूर्व प्रांतपालगण ने उपस्थित हो कर आपसी सद्भाव परिचय देते हुए एक मिसाल कायम की है। सभी रीजन चेयरपर्सन द्वारा सेवा गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

अपना घर शालीमार गेट एक के अर्बन स्क्वायर गैलेरिया मॉल में हुआ डोमिनोज पिज्जा का शॉप का उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। अलवर के अपनाघर शालीमार में गेट न. 1 पर अर्बन स्क्वायर गैलेरिया मॉल़ में डोमिनोज पिज़्ज़ा शॉप का गुरुवार को उद्घाटन हुआ। जिसका शुभारंभ त्रेहान ग्रुप के सीएमडी हर्ष त्रेहान, रेनू त्रेहान, डायरेक्टर अशोक सैनी, रजनी सैनी डायरेक्टर यशपाल इकदया, प्रॉजेक्ट इंचार्ज सजी मोहन द्वारा फीता काटकर किया किया गया। इस मौके पर डोमिनोज कें केशर सिंह नेगी (कलेशटर हेड) सुनील पवार (सर्किल हेड) ने डोमिनोज व त्रेहान ग्रुप के समस्त स्टाफ मौजूद रहा। त्रेहान ग्रुप के सीएमडी हर्ष त्रेहान ने बताया कि डोमिनोज पिज्जा शॉप का शुभारंभ होना एक बड़ी खुशी की बात है। मॉल में जल्द ही मल्टीपल्ज थियेटर भी जल्द शुरु होगा। वहीं अन्य शॉप भी शुरु होने वाली हैं। जहां एक ही छत के नीचे सभी खुशियां मिले यह अलवर वासियों के लिए खुशी की बात है। हाइवे पर यह एक मुख्य प्वाइंट होगा जहां सभी आवश्यकता वाली सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही डायरेक्टर अशोक कुमार सैनी व डायरेक्टर यशपाल इकदया ने भी अपने विचार रखते हुए जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मॉल में जल्दी मिराज सिनेमा चार स्क्रीन के साथ, नाथूज स्वीट्स, रोजाना ग्रोसरी के शोरूम भी जल्दी ही खुलने जा रहे हैं।

हमें आजादी के शहीदों से प्रेरणा लेनी चाहिए – पं. धर्मवीर शर्मा

शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस समारोह पर हुआ सम्मान समारोह

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। चंद्रशेखर आजाद विकास संस्थान की और से गुरुवार को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस समारोह पर नवीन सूचना केन्द्र के सभागार में एक सम्मान समारोह व विचार गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर 9 फरवरी को स्कूली बच्चों की निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता में विजेताओं का सम्मान किया गया। वहीं महान क्रन्तिकारी चंद्रशेखर आजाद को कार्यक्रम के दौरान प्रारंभ में सभी गणमान्यजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। चंद्रशेखर आजाद विकास संस्थान के प्रवक्ता मुकेश पटेल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर मालयर्पण कर किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप मे भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित धर्मवीर शर्मा ने कहाँ कि हमें आजादी के शहीदों से प्रेरणा लेनी चाहिए जो सपना शहीद चंद्रशेखर आजाद ने आजाद भारत का सपना देखा था उस सपने को पूरा करने के लिए हमारा युवा वर्ग को कार्य करना होगा।

कार्यक्रम मे विशिष्ट अथिति पार्षद अजय पूनिया ने कहा कि युवा वर्ग परिस्थिति के अनुसार देश निर्माण में अपना योगदान प्रदान कर क्रांतिकारियों के सपनो को साकार करे। विचार गोष्ठी मे विषय प्रवर्तन वीरेंद्र चौधरी ने कहाँ शहीदो को याद करना ओर उनके मार्ग पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर विगत 9 फरवरी को आयोजित स्कूली बच्चों की निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन में सफल 75 विद्यार्थियो को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट लोकेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष विमल जैन, प्रवक्ता मुकेश पटेल, सतीश अग्रवाल, महेंद्र सैनी, इंद्रजीत सिंह बिट्टा, प्रेम सैनी, एडवोकेट रतन राघव, किशोर जादौन आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आभानेरी- दौसा को आइकोनिक टूरिज्म डेस्टीनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा - पर्यटन मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि बजट वर्ष 2025-26 में रूरल एवं हैरिटेज टूरिज्म को बढ़ाना देने के लिए आभानेरी-दौसा को आइकोनिक टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा आभानेरी चांद बावड़ी व हर्षद माता मंदिर में संरक्षण एवं मरम्मत कार्य करवाए जा रहे हैं। पर्यटन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवश्यकता एवं बजट की उपलब्धता एवं प्राथमिकता के आधार पर जन सुविधाओं का विकास, जीर्णोद्धार, संरक्षण, उन्नयन, मरम्मत, पार्किंग स्थल विकसित करना आदि कार्य करवाए जाते हैं। इससे पहले विधायक श्री भागचन्द टाकड़ा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में पर्यटन मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र बांदीकुई में स्थित आभानेरी चांद बावड़ी व हर्षद माता मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (भारत सरकार) के अधीन संरक्षित स्मारक हैं। उन्होंने आभानेरी चांद बावड़ी व हर्षद माता मंदिर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा कराये जा रहे संरक्षण एवं मरम्मत कार्यों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पर्यटन विकास कार्यों से संबंधित प्राप्त प्रस्तावों के संबंध में पारस्परिक प्राथमिकता के आधार पर युक्तियुक्त निर्णय लिया जाता है। उन्होंने दौसा जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर स्वीकृत पर्यटन विकास कार्यों का विवरण सदन के पटल पर रखा।

राजस्थान में फिर बारिश का अलर्ट

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। राजस्थान में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। राज्य में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है, जिससे अगले दो दिन तक कई जिलों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान में एक मार्च तक कुछ स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। जयपुर मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। बजयपुर समेत कई शहरों में तापमान 1 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे गर्मी का असर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनू और सीकर में अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज हवाओं और हल्की बारिश के आसार हैं, जिससे तापमान में कुछ गिरावट भी देखने को मिल सकती है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पतालगेटनं. 01 व 02, ट्रोमा सेन्टर, रामनिवास बाग, बांगड़, जेके लोन, पत्रिका गेट, एयरपोर्ट, बी-टू बाईपास, सांगानेर पुलिया से इण्डिया गेट तक, दहलास के बालाजी, सेक्टर 26, महल रोड़, मोती डूंगरी रोड़, पत्रिका गेट एवं जेएलएन मार्ग से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 5 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज कर 07 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पतालगेटनं. 01 व 02, ट्रोमा सेन्टर, रामनिवास बाग, बांगड़, जेके लोन, पत्रिका गेट, एयरपोर्ट, बी-टू बाईपास, सांगानेर पुलिया से इण्डिया गेट तक, दहलास के बालाजी, सेक्टर 26, महल रोड़, मोती डूंगरी रोड़, पत्रिका गेट एवं जेएलएन मार्ग से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 07 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 5 हजार रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आमजन के हितार्थ आवासन मण्डल के आवासों पर भी बकाया लीज 30 सितम्बर तक जमा कराने पर शत-प्रतिशत ब्याज माफ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगरीय विकास विभाग ने सोमवार को नगरीय निकायों, नगरीय विकास न्यासों, राजस्थान आवासन मण्डल तथा समस्त विकास प्राधिकरणों की 31 मार्च 2024 तक की बकाया लीज राशि 30 सितम्बर 2025 तक एक मुश्त राशि जमा कराने पर ब्याज राशि में शत-प्रतिशत छूट प्रदान की थी जिसकी अनुपालना में आज आवासन मण्डल ने भी आमजन के हितार्थ बकाया लीज 30 सितम्बर तक जमा कराने पर शत-प्रतिशत ब्याज माफ करने के निर्देश जारी किये है। उल्लेखनीय है कि नगरीय विकास विभाग के आदेशानुसार पूर्व में निस्तारित प्रकरणों को पुनः नहीं खोला जायेगा एवं जमा राशि पुनः लौटाई नहीं जायेगी।

मरीजों को निजी चिकित्सालयों में अनावश्यक रेफर करने पर राजकीय चिकित्सक के विरुद्ध सख्त का कार्रवाई की जाएगी - गजेन्द्र सिंह

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। चिकित्सा शिक्षा मंत्री गजेंद्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राजकीय चिकित्सकों द्वारा मरीजों को अनावश्यक रूप से निजी चिकित्सालयों में रेफर किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर सम्बंधित चिकित्सक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में तत्कालीन सरकार द्वारा चिकित्सा संस्थाओं के पीपीपी मोड पर संचालन को बंद कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि पीपीपी मोड पर संचालित चिकित्सा संस्थाओं में 1 मेडिकल ऑफिसर एवं 11 अन्य स्टाफ पर राज्य सरकार द्वारा प्रतिमाह 1 लाख 80 हजार से 2.50 लाख रुपये तक का व्यय किया जाता था। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में प्रदेश में चिकित्सा संस्थाओं को पीपीपी मोड पर दिए जाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इससे पहले विधायक बहादुर सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में भरतपुर जिले में किसी भी चिकित्सा संस्थाओं को पीपीपी मोड पर नही दिया गया है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट– 2024 में हुए एमओयू के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की

- ❐ अधिक एमओयू प्राप्त करने वाले प्रमुख जिलों में लैंड बैंक तैयार करने को दी प्राथमिकता दिए जाने के दिये निर्देश
- ❐ ऊर्जा क्षेत्र के निवेशकों को तेजी से भूमि आवंटन के लिए सरकारी विभागों द्वारा बड़े सोलर पार्क विकसित करने के दिए निर्देश
- ❐ रीको के डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पोर्टल के लॉन्च से पहले शेष निवेशकों के लिए भूमि आवंटन से संबंधित टास्क क्रिएट करने के लिए विभागों को निर्देश दिए
- ❐ मुख्य सचिव ने रीको द्वारा लैंड बैंक के त्वरित विकास और विभिन्न निवेशकों को भूमि आवंटित करने के प्रयासों की सराहना की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के कार्यान्वयन की गुरूवार को समीक्षा बैठक ली। गत 13 फरवरी को हुई समीक्षा बैठक के बाद एमओयू के कार्यान्वयन में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए पंत ने अधिकारियों को उपलब्ध सरकारी भूमि का लैंड बैंक बनाने और इसे निवेशकों को आसानी से उपलब्ध कराने हेतु ऑनलाइन करने के निर्देश दिए।

रीको द्वारा भूमि बैंक विकसित करने और निवेशकों को तेजी से भूमि आवंटित करने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए पंत ने राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास और स्थानीय स्वशासन जैसे अन्य भूमि आवंटन संबंधित विभागों को भी अलग-अलग ऑनलाइन भूमि बैंक बनाने की संभावनाओं को तलाशने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने एमओयू की अधिक संख्या वाले जिलों में लैंड बैंक बनाने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। रीको के डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पोर्टल के लॉन्च से पहले उन्होंने विभिन्न विभागों को शेष निवेशकों के लिए भूमि आवंटन से संबंधित टास्क क्रिएट करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में बड़े सौर पार्क विकसित करने की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए जहां उन ऊर्जा कंपनियों को स्थापित किया जा सके, जिन्होंने निवेश समिट के दौरान एमओयू हस्ताक्षरित किए थे।

सुधांश पंत ने कहा कि भूमि आवंटन किसी भी व्यावसायिक इकाई की स्थापना में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन प्रमुख विभागों के पास बड़े सरकारी लैंड पार्सल हैं, उन्हें पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए ऑनलाइन लैंड बैंक बनाने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए। ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी संख्या में हस्ताक्षरित एमओयू को ध्यान में रखते हुए विभागों को ऐसे बड़े सोलर पार्क स्थापित करने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए, जो रीको औद्योगिक क्षेत्रों की तर्ज पर ऊर्जा कंपनियों को समायोजित कर सकें और उनके एमओयू कार्यान्वयन में तेजी ला सकें।

पंत ने विभागीय सचिवों को निर्देश दिए कि वे एमओयू के कार्यान्वयन की साप्ताहिक समीक्षा करें और उनकी प्रगति से संबंधित जानकारी एमओयू इम्प्लीमेंटेशन पोर्टल पर अपलोड करें।

उल्लेखनीय है कि गत 9-11 दिसंबर को आयोजित निवेश समिट के दौरान कुल 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गये। इनमें से 1.66 लाख करोड़ रुपये मूल्य के एमओयू का कार्यान्वयन मात्र दो महीने की रिकॉर्ड अवधि में शुरू किया जा चुका है।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव दिनेश कुमार, स्थानीय स्वशासन विभाग के प्रमुख सचिव राजेश यादव, नगर विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया, खनन एवं खान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत, रीको की प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार, बीआईपी के अतिरिक्त आयुक्त सौरभ स्वामी सहित राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घोष पथ संचलन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वैशाली नगर की ओर से महाशिवरात्रि पर्व, अखिल भारतीय घोष दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर वैशाली नगर में घोष पथ संचलन निकाला एवं झारखंड महादेव मंदिर प्रागंण में स्थिर वादन किया गया। कार्यक्रम में नगर संघ चालक भोजराज सिंह राजावत उपस्थित रहें। पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों का पथ संचलन घोष वाद्ययन्त्रों की स्वरलहरियों के साथ कदम से कदम मिलाते हुए आनंदराम गोम डिफेंस कॉलोनी से प्रारम्भ हुआ। संचलन मुख्य मार्गो से होते हुए झारखंड महादेव मंदिर पहुंचा। जहां मंदिर प्रागंण में स्वयंसेवकों ने स्थिर वादन करते हुए घोष की रचनाओं की प्रस्तुति दी।

इस दौरान मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भारत माता के जयकारे लगाते हुए स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। नगर के संघचालक भोज राज सिंह राजवत ने बताया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाशिवरात्रि के दिन को अखिल भारतीय घोष दिवस के रूप में मनाता है।संघ के शताब्दी वर्ष मे संघ समाज जागरण के विभिन्न आयामों पर कार्यरत है। संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक जन जागरण मे अपना योगदान दे रहें हैं। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।

उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत : उपभोक्ता मामलात मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उपभोक्ता मामलात मंत्री श्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने सदन को बताया कि उपभोक्ता हैल्पलाइन के माध्यम से विगत वर्ष एक जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 के बीच कुल 704 शिकायतें दर्ज कराई गई, जिनमें 524 को निस्तारित किया गया।

उपभोक्ता मामलात मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी व खराब गुणवत्ता वाली वस्तुओं से बचाने के लिए 'जागो ग्राहक जागो' जैसे विभिन्न कार्यक्रमों और प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है।

इससे पहले विधायक श्रीमती दीप्ती किरण माहेश्वरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उपभोक्ता मामलात मंत्री ने बताया कि ई-कॉमर्स क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापन एवं दोषपूर्ण उत्पादों से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए विभाग द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम- 2019 के अन्तर्गत उपभोक्ता अधिकारों का एवं इसके अन्तर्गत मिलने वाले प्रतितोष का समय-समय पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायत को सुनने एवं उनके निराकरण के लिए वैकल्पिक शिकायत निवारण व्यवस्था के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा राज्य उपभोक्ता हैल्पलाइन का संचालन सोमवार से शनिवार प्रातः 10.00 से सायंकाल 05.00 बजे तक नियमित किया जाता है।

उन्होंने बताया कि राज्य उपभोक्ता हैल्प लाइन टोल फ्री नम्बर 18001806030 एवं 14435, व्हाटसएप नम्बर 7230086030 पर उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज की जा सकती है तथा मेल, डाक अथवा व्यक्तिगत उपस्थित होकर भी प्रस्तुत की जा सकती है। इसके अतिरिक्त हैल्पलाइन द्वारा उपभोक्ताओं को प्रतितोष हेतु संबंधित आयोग में परिवाद दायर करने हेतु निःशुल्क सलाह व परामर्श भी प्रदान किया जाता है। गोदारा ने बताया कि ई- वाणिज्यिक कंपनियों की गतिविधियों पर निगरानी के लिए नियामक कदम उठाने हेतु उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा- 94 के अन्तर्गत केन्द्र सरकार सक्षम है।

इस क्रम में केन्द्र सरकार द्वारा उपभोक्ता संरक्षण (ई-वाणिज्य) नियम, 2020 जारी किये गये हैं। अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019, विधिक मापविज्ञान अधिनियम 2009, राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम 2011, विधिक मापविज्ञान (डिब्बा बन्द वस्तुएं) नियम- 2011 जैसे नीतिगत एवं कानूनी प्रावधान हैं।

उपभोक्ता मामलात मंत्री ने बताया कि अनुचित व्याापार प्रथाओं में लिप्त कंपनियों पर कार्यवाही उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा-35 के अन्तर्गत स्वयं उपभोक्ता द्वारा राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अथवा जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में की जा सकती है। आरोपी कंपनियों पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के विधिक आलोक में आयोग की न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से शास्ति लगाये जाने का प्रावधान है। अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत अनुचित व्यापार व्यवहार सिद्ध हो जाने पर जिला आयोग त्रुटि दूर करने, अनुचित व्यापार व्यवहार बन्द करने, परिसंकटमय वस्तु के निर्माण को बन्द करने, राशि ब्याज सहित वापस लौटाने तथा ऐसी राशि देने, जो विरोधी पक्षकार की उपेक्षा के कारण उपभोक्ता द्वारा सहन-वहन की गई है, को जिला आयोग दण्ड अथवा शास्ति, जिसे वह ठीक समझे लगाये जाने में सक्षम है।

जयपुर में 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम की मेजबानी, जयपुर डिक्लेरेशन होगा अपनाया

जयपुर टाइम्स

जयपुर। एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम की मेजबानी के लिए जयपुर तैयार है। यह फोरम 3 से 5 मार्च 2025 तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित होगा। इसमें 'सर्कुलर सोसायटियों को आकार देना' विषय पर चर्चा होगी, जिसमें वैश्विक विशेषज्ञ और नीति निर्माता शामिल होंगे।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि यह फोरम 3आर (रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकल) और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक दिशा प्रदान करेगा। इस दौरान 'जयपुर डिक्लेरेशन' अपनाया जाएगा, जो 2025-34 की अवधि के लिए एशिया-प्रशांत देशों को सर्कुलर अर्थव्यवस्था की नीतियां विकसित करने का मार्गदर्शन देगा। यह डिक्लेरेशन हनोई डिक्लेरेशन (2013-23) पर आधारित होगा। फोरम में 'इंडिया पैवेलियन' भी होगा, जिसमें भारत की 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी से जुड़ी उपलब्धियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें 15 मंत्रालयों और राष्ट्रीय मिशनों की प्रदर्शनियाँ होंगी। CITIIS 2.0 के तहत 18 स्मार्ट शहरों के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर होंगे, जिसमें जयपुर और उदयपुर भी शामिल हैं। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बताया कि जयपुर की 11 केस स्टडीज को 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी की 100 सर्वश्रेष्ठ अभ्यास पुस्तिका में शामिल किया गया है, जिसका विमोचन फोरम में होगा। राजस्थान सरकार इस आयोजन में सहयोगी भूमिका निभा रही है। तीन दिवसीय फोरम में 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू प्रतिभागी भाग लेंगे। इसमें 'मंत्री-स्तरीय संवाद', 'महापौर संवाद', और 'नीति संवाद' जैसे सत्र होंगे। 40+ भारतीय और जापानी कंपनियों की भागीदारी वाली 3आर व्यापार और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण होगी। राजस्थान की 'एक जिला - एक उत्पाद' पहल, लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम और जयपुर के कचरा प्रबंधन स्थलों के दौरों का आयोजन किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर योजना में 60% अनुदान की मांगः ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर

जयपुर टाइम्स

जयपुर। राजस्थान के ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने केंद्र सरकार से स्मार्ट मीटर कार्यक्रम को आरडीएसएस योजना की तर्ज पर 60:40 के अनुपात में संचालित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) को घाटा कम करने में मदद मिलेगी। नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नायक ने की, जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस सहित कई राज्यों के ऊर्जा मंत्री मौजूद रहे। श्री नागर ने बताया कि राजस्थान सरकार महंगी थर्मल बिजली के बजाय सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। पीएम-कुसुम योजना के तहत 12,000 मेगावाट की परियोजनाएं स्वीकृत हो चुकी हैं और 4,355 मेगावाट के पावर परचेज एग्रीमेंट

ऊर्जा मंत्री ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र से सहयोग का आग्रह किया। वे 'वॉयबिलिटी ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटीज' विषय पर मंत्रियों के समूह की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय नवीन एवं किए जा चुके हैं। पीएम सूर्यघर योजना में 136 मेगावाट के रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। डिस्कॉम्स चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि विकेन्द्रित सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, बिजली दरों में कमी और परिचालन लागत घटाने के लिए सुधार किए जा रहे हैं।

निष्क्रिय सहकारी समितियों को सक्रिय करें - जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जिला स्तर पर सहकारी आंदोलन को बढ़ावा देने एवं व आमजन में इसकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला सहकारी विकास समिति की बैठक का आयोजन जिला कलक्टर व प्रशासक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में गुरुवार को केन्द्रीय सहकारी बैंक, जयपुर के सभागार में हुआ।

जिला कलक्टर ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 जिला जयपुर के कैलेंडर का अनुमोदन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के लोगों और पोस्टर का विमोचन भी किया।

इस दौरान जिला कलक्टर ने जिले की सभी निष्क्रिय सहकारी समितियों को सक्रिय करने के निर्देश देते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 कैलेंडर में अंकित कार्यक्रम को समयबद्ध रूप से आयोजित करने के निर्देश प्रदान किये।

समिति द्वारा इफको, कृभको, शिक्षा विभाग एवं राजविका को समिति के सदस्य के रूप में बैठक में आमंत्रित करने का प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान जिला परिषद की मुख्यकार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां जयपुर शहर हरप्रीत कौर उप रजिस्ट्रार सहाकारी समितियां जयपुर ग्रामीण उदयदीप सिंह राठौड़ सहित अन्य हितधारक उपस्थित थे।

संपादकीय .....

नेशनल हाई-वे भी बनाइए, पेड़ भी बचाइए

केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद देश में नेशनल हाई-वे और एक्सप्रेस वे का निर्माण बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ। यह कार्य अनवरत जारी है। 2014-15 में जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो देश में कुल 97,830 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग थे। मार्च 2023 तक देश भर में अलग-अलग 145,155 किमी लंबे राजमार्ग हो चुके थे। ये कार्य निरंतर जारी है। राजमार्ग के साथ ही तेजी से जगह जगह स्टेट हाई वे और जिला मार्ग भी बन रहे हैं। इन मार्ग के बनाने के लिए भारी संख्या में सड़क के किनारे के पेड़ कट रहे हैं। कटने वालों पेड़ के मुकाबले लगने वाले वृक्षों की संख्या कम है। सरकारी आंकड़े हैं कि लगने वाले वृक्षों लगभग 24 प्रतिशत मर जाते हैं। ऐसे में आज जरूरत है कि किसी भी तरह का मार्ग बनाया जाए उसके किनारे के बड़े और पुरान पेड़ न काटें जाएं। उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाए।

लोकसभा में 22 जुलाई 2019 को दी गयी जानकारी में बताया गया था कि 2014 से 2019 के पांच साल के अंतराल में 1.09 करोड़ पेड़ काटने की अनुमति दी गई। सबसे ज्यादा अनुमति 2018-19 में 2691028 पेड़ काटने की दी गई। यह संख्या तो अनुमति लेकर काटे गए पेड़ों की है। मानना है कि इससे भी कई गुना पेड़ प्रति वर्ष बिना अनुमति लिए कट जाते हैं। ये काम उन अधिकारियों से मिलकर होता है, जो पेड़ों के कटान रोकने के लिए जिम्मेदार है। 13 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किए गए एक लिखित जवाब के मुताबिक वित्त वर्ष 2016-17 से 2020-21 के बीच देश भर में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत जितने पौधे लगाए गए थे, उसमें से 4.84 करोड़ पौधे खत्म हो गए।

उन्होंने दावा किया कि इन पांच वर्षों में कुल 20.81 करोड़ पौधे लगाए गए ।इसमें से 15.96 करोड़ पौधों को ही बचाया जा सका है। इस आधार पर यदि राष्ट्रीय औसत देखें तो प्रतिपूरक वनीकरण के तहत वन कटाई के बदले जितने पौधे लगाए जा रहे हैं, उसमें से 24 फीसदी पौधे तमाम कारणों से खत्म हो जाते हैं। एक पेड़ की कीमत जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी एक पेड़ की कीमत 74 हजार 500 रुपये प्रति सालाना हो सकती है। हर हर साल बीतने के साथ ही उसकी कीमत में ये राशि जुड़ जाती है। इस एक पेड़ की कीमत से हम अनुमान लाग सकते है कि प्रतिवर्ष लाखों पेड़ काट कर देश की कितनी बड़ी संपदा का हम दौहन कर रहे हैं।

विकास के लिए जहां पेड़ों का कटना जरूरी है वहीं समय की जरूरत कुछ और है। वनों का तेजी के साथ दोहन होने से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जलवायु बदल रही है। सासों पर संकट बढ़ रहा है। पोल्यूशन बढ़ने के कारण आक्सीजन मिलना दुर्लभ होता जा रहा है। इसी से महानगरों में आदमी की आम आयू कम हो रही है। इसीलिए आज जरूरी हो गया है कि विकास के लिए पेड़ों को न काटा जाए। इन पेड़ों को काटने की जगह यदि इन्हें दूसरी खाली जगह पर ले जाकर लगाया जाए तो समस्या का निदान हो सकता है। कुछ जगह पर यह कार्य हुआ भी है।

बुलेट पर बैलेट की जीत से ही निकलेगा नक्सली आतंक का हल

नक्सलियों के आतंक के गढ़ रहे नक्सली प्रभावित इलाकों में चुनावों के जरिए लोकतंत्र के सूरज का उदय हो रहा है। इससे लोकतंत्र के प्रति भरोसा बढने् के साथ ही इसकी जड़ें मजबूत हो रही हैं। भटके हुए युवाओं और डरे हुए ग्रामीणों को समझ में आने लगा है कि सिर्फ लोकतांत्रित तरीके से ही उनकी समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के लिए वोट डाले गए। इस दौरान बस्तर संभाग के सुकमा और बीजापुर जिले के अनेक मतदान केंद्रों पर पहली बार अनेक दशकों के बाद ग्राम पंचायतों में मतदान हुए। इस बार बस्तर में पंचायत चुनावों का नक्सलियों की ओर से कोई विरोध नहीं किया जाना क्षेत्र में 40 से अधिक नई सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सरकार की ओर से ग्रामीणों में विश्वास बहाल करने की रणनीति का परिणाम है।

यह एक ऐतिहासिक बदलाव है और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत को दर्शाता है। राज्य में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, दंतेवाड़ा और गरियाबंद जिलों में और बीजापुर के पुसनार, गंगालूर, चेरपाल, रेड्डी, पालनार जैसे क्षेत्रों में ग्रामीणों ने निर्भीक होकर मतदान किया। गौरतलब है कि बस्तर में नक्सली कमांडर हिड़मा के गांव पूवर्ती में भी इस बार ग्रामीण मतदान के लिए उत्साहित हैं। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के बाद अब पंचायत चुनाव हो रहे हैं। पंचायत चुनावों में ऐसा पहली बार हो रहा है जब नक्सलियों ने इसका विरोध नहीं किया है। राज्य में कमजोर हो रहे नक्सलवाद का यह सबसे बड़ा उदाहरण है।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद से हर बार पंचायत चुनावों में नक्सलियों की तरफ से पोस्टर जारी किए जाते थे लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है जब नक्सलियों ने विरोध नहीं किया। इसके साथ ही स्थानीय लोग भी वोटिंग करने के लिए घरों से बाहर निकले। इससे पहले नक्सली बस्तर इलाके में वोटिंग करने पर ग्रामीणों को धमकी देते थे। नक्सलियों ने कई बार पोस्टर जारी कर कहा था कि वोटिंग करने वालों की ऊंगलियों को काट लिया जाएगा जिस कारण से ग्रामीण वोटिंग करने के लिए नहीं निकलते थे। इस बार पंचायत चुनाव में ग्रामीणों ने बड़े उत्साह से साथ वोटिंग की है। हार्डकोर नक्सली इलाकों में वोटिंग के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी। हिडमा के गांव में पहली बार वोटिंग छत्तीसगढ़ में तीन चरणों में पंचायत चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। यहां सुरक्षाबल के जवानों के कारण लोग वोटिंग करने के लिए घरों से बाहर आ रहे हैं। बस्तर संभाग के 7 नक्सल प्रभावित जिलों में कुल 1855 ग्राम पंचायतें हैं। लोकतंत्र की बुनियादी विजय पताका के फहरे जाने की वजह यह है कि सुरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों के हार्डकोर इलाके में 40 से अधिक कैंप स्थापित कर लिए हैं। जिस कारण से इन इलाकों में नक्सलियों का प्रभाव कम हुआ है। नए कैंप खुलने के बाद नक्सली पीछे हट गए हैं। वहीं, सुरक्षाकर्मी अब जवानों के गढ़ में घुसकर लगातार कार्रवाई कर रहे हैं जिससे नक्सलियों में खौफ व्याप्त है। यही कारण है कि नक्सलियों ने इस बार इसका विरोध नहीं किया है। सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों के गढ़ में घुसकर कार्रवाई कर रहे हैं। जिस कारण से वह पंचायत चुनाव का विरोध नहीं कर पाए। इससे पहले नक्सली मजबूत होते थे और हमारे सिस्टम पर हमला करते थे लेकिन अब वह लगातार कमजोर हो रहे हैं। अब वह अपना गढ़ बचाने में लगे हुए हैं।

सुरक्षाबल के कैंप स्थापित होने से जो गांव नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हो रहे हैं वहां से लोग सबसे पहले आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनवा कर सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। सरकार की योजनाओं का विस्तार इन इलाकों तक हुआ है। वह मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं। पूर्व में सुरक्षा बलों की कार्रवाई सीधे अबूझमाड़ में नहीं होती थी। जिस कारण से नक्सलियों का गढ़ सुरक्षित था और वह इस तरह की हरकतें करते थें। पंचायत चुनाव के विरोध में पोस्टर लगाते थे और ग्रामीणों को धमकियां देते थे। मौजूदा सरकार की रणनीत से सुरक्षाबल के जवान गढ़ को भी घेर रहे हैं और कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं गढ़ के आसपास भी नक्सलियों पर हमले हो रहे हैं जिस कारण से नक्सली बैकफुट पर आ गए हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहा कि इस बार बस्तर में पंचायत चुनावों का नक्सलियों की ओर से कोई विरोध नहीं किया जाना क्षेत्र में 40 से अधिक नई सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सरकार की ओर से ग्रामीणों में विश्वास बहाल करने की रणनीति का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के मुताबिक मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार बस्तर के नागरिकों को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जोडने् के लिए संकल्पित है। बस्तर में सड़कें, पुल, स्कूल, अस्पताल और रोजगार परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे ग्रामीणों का शासन और लोकतंत्र पर विश्वास बढ़ा है। सुरक्षा बलों ने नक्सली आतंक के साए को खत्म करके वोटों के जरिए लोकतंत्र की बुनियाद आतंक प्रभावित क्षेत्रों में रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में भी सुरक्षाबलों ने बीते दिनों 31 नक्सलियों को मार गिराया। साल 2025 में 40 दिनों के अंदर अब तक कुल 81 नक्सलियों का खात्मा किया गया। साल 2024 में 239 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया था, वहीं साल 2023 में 24 नक्सली, 2022 में 305 नक्सली हमले हुए थे, जिसमें 10 जवान शहीद हुए थे और 31 नक्सली ढेर हुए थे। वर्ष 2021 में 48 नक्सली, 2020 में 44 और वर्ष 2019 में 79 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया था। केंद्र और राज्य का लक्ष्य है कि 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलियों से मुक्त कराना है। बचे हुए भटके नक्सलियों के पास अब भी मौका है अपनी मांगों को मनवाने के लिए बंदूक की हठधर्मिता का रास्ता छोड़ कर लोकतंत्र के रास्ते विकास का सफर तय करें, अन्यथा सुरक्षा बलों के पास सशस्त्र कार्रवाई करने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं होगा।

- योगेन्द्र योगी

-ये

पथिक के नाम से कांपते थे फिरंगी और रजवाड़े

दस साल के बालक को पीछे मुड़ गाँव और जन्मभूमि को नमन कर मातृभूमि की माटी का तिलक ललाट पर लगा दृढ़ प्रतिज्ञा करते देख सेना के सूबेदार बलदेवसिंह के आंखों में आँसू आ गये। बालक यही नहीं रुका, उसने आक्रोश चुनौती और वेदना भरे दृढ़ स्वर में फिर कहा आज में अनाथ हालात की मजबूरी से घर छोड़ रहा हूँ, यदि जीते जी तुझे आजाद नहीं करा पाया, तो हे जननी जन्मभूमि तुझे जीते जी मुंह नहीं दिखाऊंगा, पुरखों की शहादत की परिपाठी को अक्षुण्ण रखूँगा । आंखों में उतरे खून के आंसुओं से गांव के बीच खड़ा बालक ने निर्भयता से फिर से गांव के तालाब, चौपाल, स्कूल को निहारा और चुप चाप चल पड़ा चाचा के साथ मध्यप्रदेश के मऊ छावनी के रास्ते। एक अड़ने से बालक के दिल दिमाग और आंखों में वो मां से सुनी ब्रिटिश हुकूमत की क्रूर दासता और आंखों में वो फिरंगी सिपाहियों को गाजर मूली की तरह काटती हुई गांव की महिलाओं की आबरू बचा घायल हुई जननी की शहादत के मंजर को याद कर दबती मुष्टिका के साथ नन्हे कदमों से छः फिट फौजी के कदमों से कदम ताल मिला रहा था।

दस साल के बालक को पीछे मुड़ गाँव और जन्मभूमि को नमन कर मातृभूमि की माटी का तिलक ललाट पर लगा दृढ़ प्रतिज्ञा करते देख सेना के सूबेदार बलदेवसिंह के आंखों में आँसू आ गये। बालक यही नहीं रुका, उसने आक्रोश चुनौती और वेदना भरे दृढ़ स्वर में फिर कहा आज में अनाथ हालात की मजबूरी से घर छोड़ रहा हूँ, यदि जीते जी तुझे आजाद नहीं करा पाया, तो हे जननी जन्मभूमि तुझे जीते जी मुंह नहीं दिखाऊंगा, पुरखों की शहादत की परिपाठी को अक्षुण्ण रखूँगा । आंखों में उतरे खून के आंसुओं से गांव के बीच खड़ा बालक ने निर्भयता से फिर से गांव के तालाब, चौपाल, स्कूल को निहारा और चुप चाप चल पड़ा चाचा के साथ मध्यप्रदेश के मऊ छावनी के रास्ते। एक अड़ने से बालक के दिल दिमाग और आंखों में वो मां से सुनी ब्रिटिश हुकूमत की क्ररूर दासता और आंखों में वो फिरंगी सिपाहियों को गाजर मूली की तरह काटती हुई गांव की महिलाओं की आबरू बचा घायल हुई जननी की शहादत के मंजर को याद कर दबती मुष्टिका के साथ नन्हे कदमों से छः फिट फौजी के कदमों से कदम ताल मिला रहा था।

बलदेव सिंह खुद क्रांतिकारी परिवार से थे और वे बहुत ही क्रांतिकारी साजिश के तहत ब्रिटिश मिलिट्री में भर्ती हुये थे, ताकि वो स्वदेश के खिलाफ हो रही गतिविधियों की जानकारी क्रांतिकारियों को दे सके। बलदेव सिंह मऊ से इंदौर छावनी में आ गये पर क्रांतिकारी बालक का पढ़ाई में मन न मऊ में लगा न इन्दोर में। बालक अब नौजवान हो चला था, पर हमेशा खोया खोया रहता। इन्दोर स्टेडियम में स्वदेशी और ब्रिटिश विद्यार्थियों के बीच फुटबाल का मैच चल रहा था । मैच में एक उदण्डी अंग्रेज अधिकारी का लड़का बार बार स्वदेशी लड़को को गोल करते या बोल खेलते वक्त टंगड़ी दे कर गिरा रहा था, उसका विरोध करने के बजाय सब हंस कर बात को टाल रहे थे। हाफ टाइम बाद मैच दुबारा शुरू हुवा तो स्वदेशी टीम में एक दूसरा नोजवान के पांवों में बोल को छुड़ाने जब उदण्डी बालक आया तो इस बार मामला पलट गया। उदण्डी बालक का स्वदेशी बालक ने फुटबॉल बना दिया । मैच रोक दिया गया। बात बढ़ी तो पता चला कि स्वदेशी बालक सूबेदार का भतीजा है और मामला रफा दफा हो गया।

सर्दी का टाइम था शाम का समय था, जब स्वदेशी बालक घर जा रहा था, तो पीछे से शॉल में लिपटे एक नौजवान ने दूसरे नोजवान के कंधे पर हाथ रखा और पूछा कि आप कौन हो, कहां के रहने वाले हो, मेने आज स्टेडियम में आप को देखा था - गोरों के प्रति इतनी नफरत क्यों? प्रत्युत्तर दृढ़ता से मिला आप कौन? जबाब मिला मेरा नाम क्रांतिकारी सचिंद्र सान्याल है। मैं मध्यभारत में क्रांतिकारी युवाओं की खोज कर रहा हूँ। हमारा बड़ा संगठन है, अभिनय भारत। हम रास बिहारी बोस के कार्यकर्ता हैं और देश की आजादी हित एक क्रांतिकारियों की सेना बना रहे हैं। ये बात सुन नौजवान की आंखों में चमक लौट आई। मानो उसकी अजस्त्र साधना सार्थक हो गयी हो, जो बाल्यकाल से जिस पथ का इंतजार कर रहा हो वो मिल गया हो। नोजवान बोला, मेरा नाम भूपसिंह गुर्जर है। यहाँ मेरे रिश्ते के चाचा सूबेदार हैं। मैं गुठावली बुलन्दशहर का रहने वाला हूँ। मेरे दादा इन्द्रसिंह 1857 की क्रांति में और मेरे पिता हमीरसिंह ओर माता कमल कुँवारी भी इस हुकूमत से लोहा लेते हुए आजादी हित शहीद हो चुके हैं। मेने प्रतिज्ञा ली है आजादी की। मुझे भी अपने दल में शामिल करिये।

शचीन्द्र सान्याल ने समय उपरांत युवक भूपसिंह को बंगाल का टिकट और एड्रेस दिया तथा एक बन्द लिफाफा दिया कुछ कोडवर्ड बताये और ट्रेन से रवाना कर दिया।

भूपसिंह बताये पते पर पहुँचे, गुप्त बातें हुई और रासबिहारी बोस से गर्मजोशी से मिले। रासबिहारी को भूपसिंह के लिये ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। भूपसिंह तो खुद शोला था। खाली वक्त में अंग्रेजी और बंगाली का अध्ययन किया, बाकी समय पर मिशन पूरा। भूपसिंह ने कई ब्रिटिश के जहाज और हथियार तथा हथियार बनाने का सामान लूट कर क्रांतिकारियों तक पहुंचाया। खुद ने भी गोला बारूद और हथियार बनाने में महारत हासिल कर ली। जब कलकत्ता के बेलतला में हथियार बनाने की फैक्ट्री पर छापा पड़ा तो भूपसिंह भी पकड़े गये थे, पर उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले, इसलिए उन्हें छोड़ दिया गया।

भूपसिंह का अब देश के प्रमुख क्रांतिकारियों से सम्पर्क हो चला था, इसलिए वे, रासबिहारी व सचिंद्र सान्याल बनारस आ गये। बनारस में क्रांतिकारी और डकैती की योजना बनाई । हथियारों को क्रांतिकारियों तक पहुंचाने व बड़े विप्लव की तैयारी यहीं से प्रारम्भ हुई, जो बनारस षड्यंत्र के नाम से विख्यात है। पर यहाँ भी गद्दारी से पोल खुलने पर कुछ साथी दबाव में सरकारी गवाह बन गये थे। बेशक भूपसिंह का नाम इसमें नहीं था, पर इनके साथियों और गवाहों को एक ही जेल में रखा गया था। साथियों का सरकारी गवाह बनना क्रांतिकारियों को नागवार गुजरा। भूपसिंह बेलदार के वेश में जेल में काम करने गये और साथियो को पिस्तौल दे आये। खाने के वक्त साथियो ने द्रोहियों का काम तमाम कर दिया।

1912 में अंग्रेजों ने कोलकता से अपनी राजधानी दिल्ली बना ली। क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों का दिल्ली में स्वागत अपने हिसाब से करने की तैयारी की। भूपसिंह, केसरीसिंह सचिंद्र सान्याल और उनके साथियों ने अंग्रेजो के जुलूस पर चांदनी चौक में बम बरसाये और अंग्रेज अधिकारी लार्ड होर्डिंग को मार गिराया और फरार हो गए। अंग्रेजो में अफरातफरी मच गई। भूपसिंह वहाँ से लाहौर चले गये, वहाँ उन्होंने बिखरे क्रांतिकारियों को एक किया। साथ ही उर्दू का अध्ययन किया। लाहौर में ही 21 फरवरी 1915 का दिन सशस्त्र क्रांति के लिये मुकर्रर किया गया। सब को अलग अलग जिम्मेदारियां दी गयी। सिक्ख रेजिमेंट उस दिन विद्रोह करेगी और देश की अंग्रेज छावनियों को घेर कर अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतार देश आजाद करवा लिया जावे। भूपसिंह इस योजना के तहत राजस्थान के अजमेर आ गये। उन्हें नसीराबाद छावनी का टास्क मिला। भूपसिंह अजमेर रेलवे स्टेशन पर कमरूदीन मिस्त्री के साथ रेलवे वर्कशॉप में प्लानिंग के तहत मेकेनिक का काम करने लगे। एक रेलवे के पुराने डिब्बे में आशियाना बना लिया। अजमेर स्टेशन पर भूपसिंह से क्रांतिकारी आसानी से आ जा सकते व हथियार भी इधर उधर भेजे जा सकते थे। भूपसिंह ने अंग्रेजो से नीलाम तोड़ेदार तीस हजार बंदूकें खरीद उनका नवीनीकरण कर आस पास के जागीरदारों से सम्पर्क किया व उन्हें विश्वास में लेने वो खरवा ठाकुर के निजी सचिव बन गये। ब्यावर के दामोदर राठी से उनको आर्थिक सहायता मिलती थी। कुछ और रजवाड़ों से उन्होंने सम्पर्क साधा, जो अंग्रेजो के खिलाफ थे और तीन हजार लोगों का एक दल बना मुकर्रर दिन नसीराबाद से पहले पहाड़ो में हथियारों सहित खरवा ठाकुर गोपाल सिंह के नेतृत्व में राशन पानी ले डेरा डाल लिया। इनको इशारा था कि अजमेर से आने वाली ट्रेन से एक व्यक्ति बम धमाका करेगा, उसी के साथ छावनी को घेर लेना है और अंग्रेजो को मार छावनी पर कब्जा करना है। तय समय ट्रेन निकल गयी पर धमाका नहीं हुआ। इसका कारण था पंजाब में कृपाल सिंह नामक सिक्ख ने एक दिन पहले अंग्रेजो को इसकी सूचना दे दी थी और मिशन फेल हो गया। छावनियों को वायरलेस से इसकी सूचना मिल चुकी थी। आनन फानन में गुप्त रास्तों से लोगों को भगाया गया। पर गोपाल सिंह खरवा उनके चाचा मोडसिंह, रलियाराम गुर्जर और भूपसिंह के रास्ते को अंग्रेज सैनिकों ने घेर कर चेतावनी दे दी। गोपाल सिंह सरेंडर करना चाहते थे, पर भूपसिंह को अंजाम पता था, इसलिये उन्होंने फायर कर दिया। सैनिक घबरा गये उन्होंने सोचा बड़ा खून खराबा होगा। एक स्वदेसी सैन्य अधिकारी को समझौते के लिये भेजा और गोपाल सिंह से समझौता हुआ कि आप पर कोई गम्भीर धारा नहीं लगेगी। केवल क्रांतिकारियों के लिये ही सख्त निर्देश हैं, आप तो स्थानीय हो। दिन में खुली जेल घोड़े और शिकार की अनुमति होगी। हमें फर्ज अदा करने दो। समझौते के तहत इनको स्थानीय समझ टॉटगढ़ जेल में बंद कर दिया गया। रासबिहारी बोस को देश छोड़ना पड़ा व शचीन्द्र सान्याल को काले पानी भेज दिया गया। भूपसिंह का सभी लोगों से सम्पर्क टूट गया।

कुछ दिन बाद अचानक टॉटगढ़ जेल के बाहर नफरी और सैन्य गतिविधि बढ़ी, तो गुप्तचरों से पता चला कि इस जेल में कोई बड़ा क्रांतिकारी है और बंगाल, लाहौर दिल्ली व बनारस से जांच दल आया है। उसी रात भूपसिंह जेल की कूदी तोड़ भाग गये।

भूपसिंह अनजाने रास्ते रात भर चले और पहले गुड़ला फिर भावा मोई कांकरोली से होते हुये चित्तौड़ के पास ओछ्ड़ी चले गये और अपना वेश साधु सा कर अपना नाम भूपसिंह से विजयसिंह पथिक रख लिया और वे इसी नाम से प्रसिद्ध हुए।

यहीं से वो बिजोलिया किसान आंदोलन से जुड़े और 1916 से 18 तक विश्व का सबसे बड़ा व सफल आंदोलन कर फिरंगी हुकूमत और क्रूर रजवाड़ों के शासन की चुले हिला दी। साजिश वश अंग्रेजों और सामन्तशाहियो से मिल कर पथिक को 1919 में जमन्नालाल बजाज और गांधी ने एक अखबार निकालने व कांग्रेसियों को प्रशिक्षत करने कांग्रेस मुख्यालय वर्धा भेज कर किसान आंदोलन से दूर कर दिया। जमन्नालाल बजाज सेनानियों और ब्रिटिश के बिचोलिये थे, जबकि गांधी नहीं चाहते थे कि जहाँ स्वदेशी रजवाड़े है वहाँ आंदोलन हो। पर पथिक जल्दी ही बात समझ गये, उन्होंने वहां राजस्थान सेवा आश्रम नामक संस्था बनाई, जिसके उद्देश्य व नियम प्रशिक्षु बलिराम हेडगेवार से लिखवाये और वे कुछ दिन बाद ही उसका कार्यालय अजमेर कर किसान आंदोलन की कमान संभाल ली व 1920 में 84 में से 35 कर माफ करवा आंदोलन के माध्यम से आजादी की स्वतंत्र पंचायते गठित कर नींव रखी। पथिक ब्रिटिश पार्लियामेंट से लेकर देश और विदेशी मीडिया में छा गये।

मेवाड़ स्टेट के उदयपुर महाराणा फतेहसिंह पर गद्दी छोड़ने या कमिश्नरी का भय दिखा कर ब्रिटिस गवर्मेंट ने दबाव बनाया। उस पत्र को पथिक ने सार्वजनिक कर दिया, जिस कारण राजकुमार भूपाल को अंग्रेजों ने जबरन गद्दी पर बैठा पथिक पर समांतर सरकार चलाने का मुकदमा दर्ज कर दिया। पथिक ने कोर्ट में खुद पैरवी की और बरी हो गए। पर विवेकहीन भूपाल ने अनपढों का आयोग बना पथिक को दोषी करार दे 1922 में पांच साल की सजा कर जेल में बंद कर दिया। पथिकजी 1927 तक जेल में रहे।

पथिक ने जेल में वृहद साहित्य सृजन किया। 1923 में उन्होंने राजनीति पर चुनावी पद्धति किताब लिखी, जिसमें पूरी प्रजातन्त्र की संसद, विधानपरिषद से पंचायत तक की संरचना लिखी और राइट टू रिकॉल का प्रावधन भी लिखा। उस दरमियान पथिक के जेल रहते खूब राजनीति हुई।राजस्थान सेवा संघ का विघटन करवा बलिराम हेडगेवार ने उसी उद्देश्य और नियमो में 1925 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ बना लिया। पथिक जब 1927 में जेल से छूटे, तो उन पर मेवाड़ में रहने की पाबंदी लगा दी थी। पथिक जलियांवाला बाग कांड का बदला लेने लाहौर गए। भगत, सुखदेव, राजगुरू बटुकेश्वरदत से मिले। उन्हें पिस्तौल और गोला बारूद दिया। उन्होंने अंदर धधकती आग का एक बार लाहौर असम्बली में अपनी मौजूदगी का अहसास करवाया। पर साथियों के कहने से चुपके से लौट आए, क्योंकि भूपसिंह को आज भी पुलिस खोज रही थी और कोई भी देश का क्रांतिकारी नहीं चाहता था कि भूपसिंह की पहचान हो और वो पकड़ा जावे।

पथिक के चार अखबार अजमेर में जब्त हो चुके थे। वे पहले आगरा से फिर मथुरा से अखबार निकाल क्रांति में लगे रहे। ब्रह्मचारी का जीवन बिताने की शपथ राजस्थान सेवा संघ विघटन और राष्ट्रीय सेवक संघ की घृणा ने तोड़ दी। उन्होंने बाल विधवा जानकी देवी से शादी की। उनके एक कन्या भी हुई। 1945 में जेल भरो आंदोलन में सपत्निक जेल चले गये। जेल के नियम थे आठ साल से छोटे बालक को जेल में मनाही थी, इसलिए वो बेटी को एक परिचित कायस्थ फेमेली के पास छोड़ कर गये। मात पिता के विरह में बेटी ने प्राण त्याग दिये। अंतिम संस्कार के लिये भी पथिक फेमेली को पेरोल नहीं मिली और उनकी चौथी पीढ़ी और वंश का अंतिम चिराग भी देश आजादी हिट शहीद हो गया। शायद ही धरती पर कोई दूसरा पर्याय हो।

देश आजाद हुआ पर पथिक बेगाना था। उनको टिकट तक नहीं दिया गया। गांधी, पटेल ने जिनसे प्रेरणा ली वो लू की चपेट में 28 मई 1854 को अजमेर में हमेशा के लिये चिर निद्रा में सो गया। सम्पति के नाम एक झोला, किताब, पेन फटा निकर और कुर्ता व सिर पर पगड़ी थी। बेशक उन्होंने जीते जी देश आजाद करवाया पर वो लौट के घर गांव नहीं जा सके, न कोई पीछे बचा था।

यश वैभव सुख की चाह नहीं,
परवाह नहीं जीवन रहे न रहे।
इच्छा है तो यह है कि
जग में स्वेच्छाचार दमन न रहे।।

- महावीर पोसवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष, पथिक सेना संगठन

क्या रिलेशनशिप में हैं हनी सिंह? खुद कहा-'मैं पैशेनेट लव में हूं'

हाल ही में नेटफ्लिक्स पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'यो यो हनी सिंह - फेमस' का प्रीमियर हुआ है। यह डॉक्यूमेंट्री फिल्म रैपर-सिंगर हनी सिंह की जिंदगी पर रोशनी डाल रही है। खबरों और सिंगिंग की चकाचौंध से अलग भी हनी की एक शख्सियत है, उसके बारे में डॉक्यूमेंट्री में बताया गया है। हाल ही में नेटफ्लिक्स के यूट्यूब चैनल पर एक पॉडकास्ट में हनी सिंह नजर आए, जिसमें उन्होंने अपनी लव लाइफ पर भी बात की है।

पैशेनेट लव में हनी सिंह

पॉडकास्ट में हनी सिंह ने अपनी डॉक्यूमेंट्री, म्यूजिक, पर्सनल लाइफ पर बात की। अचानक वह शो के होस्ट को बताने लगे कि वह इस समय पैशेनेट लव में हैं। हनी कहते हैं, 'मैं खतरनाक इश्क में हूं।' वह आगे कहते हैं कि मैं हमेशा गहरा प्यार किया है। हनी सिंह यह बात बताते हुए शरमा भी रहे थे। हनी का यह अंदाज देकर शो के होस्ट भी मुस्कुरा दिए।

पहले हो चुका है तलाक

हनी सिंह की पहली शादी टूट चुकी है लेकिन वह प्यार में पूरा यकीन रखते हैं। यही कारण है कि उन्होंने अपने सीरियस रिलेशनशिप में होने की बात कही है। बताते चलें कि हनी सिंह की पूर्व पत्नी का नाम शालिनी तलवार है। वह उनकी बचपन की गर्लफ्रेंड थी, दोनों की शादी 11 साल चली, लेकिन बाद में हनी सिंह और शालिनी की राहें जुदा हो गईं।

रैप म्यूजिक के लिए बनाई राह

हनी सिंह ने जब भारत में बतौर रैप सिंगर शुरुआत की थी तो उन्होंने तहलका मचा दिया था। उन्होंने रैप सिंगिंग के लिए भारत में एक नई राह बनाई। हनी सिंह ने कई बॉलीवुड फिल्मों में भी हिट गाने गाए हैं, जिसमें शाहरुख और सलमान खान की फिल्में भी शामिल रही हैं। लेकिन हनी की जिंदगी में डाउनफॉल भी आया, जब वह मानसिक समस्या और बुरी लत का शिकार हो गए। अब एक बार फिर हनी सिंह ने कमबैक किया है, साथ ही अपनी बुरी आदतों से भी छुटकारा पा लिया है।

पेरेंट्स के तलाक को लेकर बोलीं श्रुति हासन

श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पेरेंट्स कमल हासन और सारिका के तलाक को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि कैसे उनके पेरेंट्स के डिवोर्स ने बाद उन्हें फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने का मतलब समझ आया था। उन्होंने कहा कि पेरेंट्स ने अलग होने से पहले साथ रहने की काफी कोशिश की थी।

पेरेंट्स के तलाक के बाद लाइफ में सब बदल गया था

श्रुति हासन ने फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट पर बात करते हुए कहा- मैं एक बहुत ही खूबसूरत परिवार में पैदा हुई। मुझे इंटेलीजेंट पेरेंट्स मिले और भगवान की कृपा से सभी फैसिलिटी मिली। लेकिन मैंने इसकी दूसरी साइड भी देखी है। जब मेरे माता-पिता अलग हुए थे, तो मेरी लाइफ में सब कुछ बदल गया था।

मैंने अपनी मां से काफी कुछ सीखा है

एक्ट्रेस ने आगे कहा- 'पेरेंट्स के अलग होने के बाद ही मुझे फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने का मतलब समझ आया था। उस वक्त मुझे एहसास हुआ कि हर किसी को आर्थिक रूप से स्वतंत्र क्यों होना चाहिए। जब मैंने अपनी मां को देखा तो लगा कि एक बेटी होने के नाते मुझे आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहिए। कोई भी फैसला लेना काफी मुश्किल होता है, लेकिन उससे भी ज्यादा मुश्किल होता है, जब आप किसी पर डिपेंड होते हैं।'

तलाक बुरा फैसला होता है

श्रुति हासन ने कहा कि तलाक काफी बुरा फैसला होता है। न केवल बच्चे बल्कि पेरेंट्स भी यह दर्द महसूस करते हैं। हालांकि, अब चीजे काफी नॉर्मल हो गई हैं। अभी भी ऐसे कई घर हैं, जहां समाज की खातिर माता-पिता एक साथ रहते हैं। यह ज्यादा खराब होता है क्योंकि दोनों के मन में दर्द छुपा होता है।

सालार में नजर आई थीं श्रुति हासन

वहीं बात करें वर्कफ्रंट की तो श्रुति हासन को आखिरी बार प्रभास के साथ फिल्म सालार- पार्ट 1- सीजफायर में देखा गया था। प्रशांत नील की निर्देशित इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी थे।

एस एस राजामौली की फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा बीते लंबे समय से इंडियन सिनेमा में कमबैक का इंतजार कर रही हैं। कुछ समय पहले प्रियंका फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा से कमबैक करने वाली थीं, हालांकि अब ये फिल्म बंद होती नजर आ रही है। इसी बीच प्रियंका ने एस एस राजामौली की अपकमिंग तेलुगु फिल्म साइन कर ली है। ये फिल्म अफ्रीकी जंगल एडवेंचर पर आधारित होने वाली है, हालांकि अब तक इसका टाइटल तय नहीं किया गया है। फिल्म में महेश बाबू एक रिसर्चर की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में आई पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, बाहुबली और आरआरआर की कामयाबी के बाद एस एस राजामौली महाकाव्य पर फिल्म बना रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार कर ली है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2025 से शुरू करेंगी, वहीं महेश बाबू के साथ फिल्म 2026 में फिलमाई जाएगी।

पैन इंडिया फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका

रिपोर्ट के अनुसार ये तेलुगु फिल्म पैन इंडिया होने वाली है, जिसे हिंदी, तमिल, मलयाली और कन्नड़ भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म के लिए एस एस राजामौली ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में थे, जो ग्लोबली पहचान रखती हों। बीते 5-6 महीने में उन्होंने कई बार प्रियंका से मुलाकात की और उनका नाम फाइनल किया। इस फिल्म को ग्लोबल लेवल तक पहुंचाने के लिए डिज्नी और सोनी पिक्चर्स जैसे बड़े स्टूडियोज से बात जारी है।

डब्बा बंद होने की कगार परजी ले जरा

साल 2021 में फरहान अख्तर ने फिल्म जी ले जरा की अनाउंसमेंट की थी, जिसमें प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और कटरीना कैफ लीड रोल निभाने वाली थीं। हालांकि अब तक फिल्म डेवलपमेंट से जुड़ी कोई अपडेट सामने नहीं आई है। समय-समय पर खबरें आती रही हैं कि कटरीना और प्रियंका ने फिल्म छोड़ दी है।
प्रियंका चोपड़ा की बात करें तो वो आखिरी बार भारतीय बड़े पर्दे की फिल्म द स्काय इज पिंक (2019) में नजर आई थीं। इसके बाद वो नेटफ्लिक्स की फिल्म द व्हाइट टाइगर (2021) में नजर आ चुकी हैं। बॉलीवुड या इंडियन न सही प्रियंका के पास हॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में हैं। वो जल्द ही द ब्लफ और हैड ऑफ स्टेट्स जैसी हॉलीवुड फिल्मों में दिखेंगी।

सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म में आएंगी नजर

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी साउथ सिनेमा में एक प्रमुख चेहरा रे रूप में उभरकर सामने आई हैं। केजीएफ के बाद से ही उनकी फैन फॉलोइंग काफी बढ़ चुकी है। हालांकि, इसके बाद आई उनकी फिल्म कोबरा बॉक्स ऑफिस पर कोई खास असर नहीं छोड़ पाई। इसके बावजूद श्रीनिधि का जादू फीका नहीं पड़ा है। उन्हें सिद्दू जोन्नालगड्डा की तेलुगु कड़ा और नानी की हिट 3 जैसी फिल्मों में साइन किया गया है। अब उनकी एक नई फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीनिधि शेट्टी साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ जल्द ही स्क्रीन साझा करती नजर आ सकती हैं। बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उन्हें साइन किया गया है।

नेल्सन बना रहे फिल्म

जेलर 2 का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार करेंगे। इसे सन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा। फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर तैयार करेंगे। पहले भाग के गाने लोगों के बीच काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए थे। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। जल्द आ सकती है आधिकारिक जानकारी

इसके बारे में और अधिक जानकारी आधिकारिक रूप से नए साल या फिर पोंगल के मौके पर आ सकती है। माना जा रहा है कि यह फिल्म श्रीनिधि के करियर के लिए एक टर्निंग प्वॉइंट साबित हो सकती है।

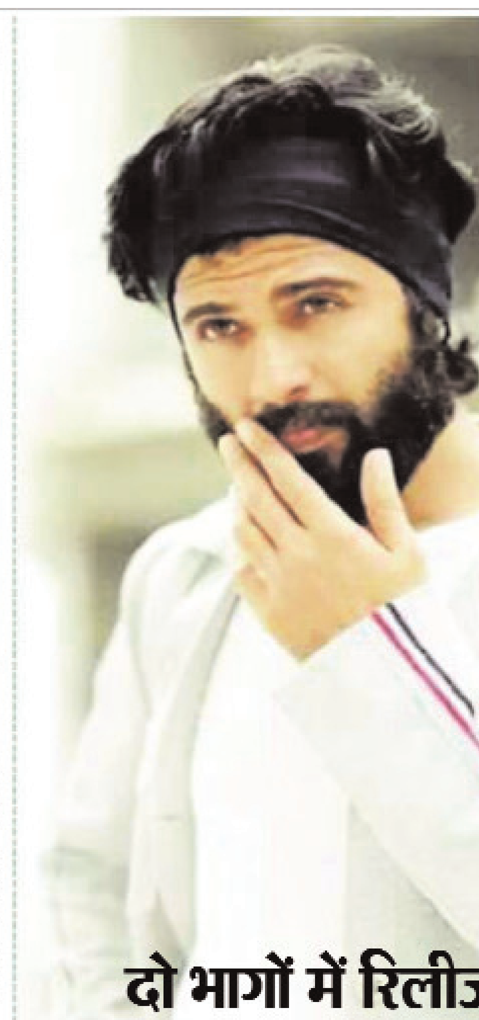

दो भागों में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की वीडी 12

विजय देवरकोंडा वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसका संभावित नाम वीडी 12है। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह के बीच निर्माता नागा वामसी ने फिल्म पर एक बड़ा अपडेट साझा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के बारे में बताया। साथ ही कई दिलचस्प बातों का भी खुलासा किया।

आगे खिसकेगी फिल्म की रिलीज डेट

हाल ही में उन्होंने बताया कि वीडी 12 दो भागों वाली सीरीज होगी और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, अगर पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज उसी दिन पक्की हो जाती है तो फिल्म की रिलीज 28 मार्च से आगे बढ़ाई जा सकती है।

शूटिंग के दौरान विजय को लगी चोट

फिल्म के बारे में आगे बात करते हुए नागा वामसी ने कहा, वीडी 12 अपने पैमाने से सभी को चौंका देगी। कई लोगों का मानना है कि यह चुपचाप बनाई जा रही एक छोटी फिल्म है, लेकिन यह ठोस है और बड़े पर्दे पर एक बड़ी ट्रीट होगी। इस बीच पहले खबर आई थी कि विजय देवरकोंडा को वीडी 12 के लिए एक चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई थी। चोट के बावजूद, अभिनेता ने ब्रेक नहीं लेने का फैसला किया और तय समय पर काम करना जारी रखा।

चोट के बाद भी विजय ने जारी रखी शूटिंग

विजय की पिछली कुछ फिल्में उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने काम से लंबा ब्रेक लिया और अब वे दमदार वापसी करने की तैयार में हैं। ऐसे में वे इस फिल्म पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा वीडी 12 की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी होने के करीब है। पहले खबर आई थी कि अभिनेता सत्यदेव इस फिल्म में शामिल हो गए हैं।

भाग्यश्री बोरसे होंगी मुख्य अभिनेत्री

खबर है कि वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दूसरी ओर भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सत्यदेव का किरदार नकारात्मक होगा। फिल्म की कहानी का मुख्य आकर्षक कहानी विजय देवरकोंडा और सत्यदेव के बीच के दृश्य होंगे। सत्यदेव ने कोविड-19 के दौरान लगातार हिट फिल्मों के साथ लोकप्रियता प्राप्त की। उनकी नई फिल्म जेबरा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और वर्तमान में ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर स्ट्रीमिंग कर रही है।

दृश्यम 3 को लेकर मोहनलाल का खुलासा?

अभिनेता मोहनलाल ने खुलासा किया है कि दृश्यम की स्क्रिप्ट को उनके पास लाने से पहले निर्देशक जीतू जोसेफ ने पहले कई अभिनेताओं को इसकी स्क्रिप्ट सुनाने में कई साल लगा दिए। दृश्यम 3 को भी लेकर मोहनलाल ने अहम जानकारी दी। मोहनलाल ने हाल ही में स्वीकार किया कि उन्होंने दृश्यम की कोई भी रीमेक पूरी नहीं देखी है, यहां तक कि अजय देवगन अभिनीत फिल्में भी नहीं देखी हैं। दृश्यम की रिलीज को 11 साल बीत चुके हैं, लेकिन निर्देशक जीतू जोसेफ की दृश्यम क्राइम-थ्रिलर जॉनर में एक बेंचमार्क बनी हुई है। दुनिया भर में 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने वाली पहली मलयालम फिल्म, दृश्यम ने मलयालम सिनेमा की दिशा को नया आकार दिया, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली।
फिल्म दृश्यम को कई भारतीय और विदेशी भाषाओं में भी बनाया गया था और एक आधिकारिक अंग्रेजी रीमेक भी पाइपलाइन में है। दृश्यम में मोहनलाल, मीना, आशा सरथ, अंसिबा हसन, एस्तेर अनिल और सिद्दीकी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई। इसके सीक्वल दृश्यम 2 का प्रीमियर 2021 में हुआ, जिसे भी दर्शकों से भरपूर प्यार मिला। अब दृश्यम 3 को लेकर एक अपडेट सामने आया है। मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल ने हाल ही में दृश्यम फ्रेंचाइजी के भविष्य के बारे में बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसर, मोहनलाल ने कहा, जेटू के पास दृश्यम की स्क्रिप्ट फिल्म (पहला भाग) की शूटिंग से कम से कम पांच साल पहले तैयार थी। उन्होंने उस स्क्रिप्ट के साथ कई लोगों से संपर्क किया, लेकिन यह कारगर नहीं हुआ क्योंकि वे संतुष्ट नहीं थे। आशीर्वाद सिनेमाज के एंटनी पेरुंबवूर ने मुझे सूचित किया और पूछा कि क्या मैं इसे सुन सकता हूं। जब मैंने इसे सुना, तो मुझे लगा कि यह स्क्रिप्ट के लिहाज से अविश्वसनीय है।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहनलाल ने कहा, एक फिल्म कैसे हिट होती है? यह तब होता है जब इसमें कुछ ऐसा होता है जिसे आप देखने के बाद घर वापस ले जा सकते हैं, चाहे वह कोई गीत हो या कोई सीन हो। दृश्यम में, मुख्य बिंदु परिवार के लिए प्यार था। मोहनलाल ने याद करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने कोरोना जैसी महामारी की वजह से फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने का विकल्प चुना। हालांकि, यह निर्णय फिल्म के लिए फायदेमंद साबित हुआ, क्योंकि इसे दुनिया भर में प्रशंसा मिली, दुनिया के कई हिस्सों से लोगों ने इसे ऑनलाइन देखा, जिससे मलयालम फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया गया।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसर, मोहनलाल ने कहा, पूरी दुनिया में लोगों ने दृश्यम देखी। मैं हाल ही में गुजरात में शूटिंग कर रहा था और फ्लाइट में कई गुजराती लोगों ने मुझसे फिल्म के बारे में बात की। इसने मलयालम सिनेमा को पूरे भारत में पहचान दिलाई। अब, हम दृश्यम 3 के साथ आने की कोशिश कर रहे हैं।

फहद फासिल नहीं बनेंगे पुष्पा3 का हिस्सा!

पुष्पा 2 हाल के दिनों में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में से एक है, इसने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फहद फासिल ने पुष्पा 2 में मुख्य खलनायक की भूमिका निभाई थी और वह पुष्पा 3 में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। हालांकि, नई चर्चाएं ये हैं कि वह तीसरे भाग को करने के लिए उत्सुक नहीं हैं और पुष्पा 3 से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, इस खबर की अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह मलयालम फिल्म हलकों में वायरल हो गई है। दूसरे भाग में फहद की भूमिका को सस्पेंस मोड में रखा गया था और आम धारणा यह है कि वह तीसरे भाग में वापसी करेंगे। हालांकि, अब खबरें हैं कि फहद अपने किरदार से निराश भी हैं, ऐसे में वे फिल्म की तीसरी किस्त से बाहर हो सकते हैं। अगर ये खबरें सच हैं तो अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि तीसरे भाग में मुख्य खलनायक की भूमिका कौन निभाएगा?

कटहल की खेती दे भरपूर फायदे

गुरदासपुर के एक किसान ने अपने खेत में कटहल के वृक्ष लगाए। यह वृक्ष लगभग 13 से 15 वर्षों के दरम्यान भरपूर फल देने लगता है। यह फल लगभग 12 रुपये से लेकर 50 रुपये किलो के हिसाब से बिकता है। सब्जी मंडी वाले स्वयं ही फल तोड़कर ले जाते हैं। एक कटहल तीन किलो से लेकर 16 किलो तक हो जाता है। यह वृक्ष बोहड़ या पीपल की भांति विशाल, ऊंचा–चौड़ा होता है।

कटहल को अंग्रेजी में ब्रेड फ्रूट तथा संस्कृत में इसको 'पनस' कहते हैं जिसके अर्थ हैं कटहल या कांटा। कटहल के वृक्ष को फल जड़ से लेकर तनों तथा शाखाओं तक लगता है। एक वृक्ष से क्विंटलों के हिसाब से फल उतरता है तथा कई माह तक रहता है। बेशक कटहल एक फल है। इसका आचार तथा स्वादिष्ट सब्जी बनती है। पक जाने पर यह बीच से मीठा होता है। कटहल की ऊपरी चमड़ी रोएंदार, कील जैसी खड़ी खुरदरी होती है। भारत के पूर्व वाले क्षेत्र तथा बर्मा, बिहार, गोरखपुर में ज्यादा पाया जाता है। दक्षिण भारत का पूर्वी तथा पश्चिमी तट कटहल का असली घर है। पंजाब में भी कटहल की बिजाई कामयाब हो रही है। कटहल में कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, तेल, रेशे, विटामिन बी, सोडियम, लोहा, फासफोर्स, पोटाशियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं।

कटहल का वृक्ष 40 से 60 फुट ऊंचा हो जाता है। इस वृक्ष को मार्च-अप्रैल के दो माह दो प्रकार के नर तथा मादा अलग-अलग फल पड़ते हैं। इसके नर फल लम्बे तथा मादा गोल होते हैं। इसका फल मई से जुलाई तक सब्जी बनाने के काम आता है। इसके वृक्ष दो प्रकार के होते हैं। एक किस्म के वृक्ष के फल बीज वाले होते हैं तथा दूसरे में बीज नहीं होते। पंजाब में बीज वाले ही वृक्ष कामयाब हैं। यह गर्म क्षेत्र का वृक्ष है और पंजाब का जलवायु इसके लिए बहुत ही अनुकूल है। इस वृक्ष के नीचे लम्बे समय तक पानी खड़ा नहीं होना चाहिए। जून के माह यह वृक्ष फल से गुच्छों के रूप में भरपूर हो जाता है। अधिक पैदावार लेने के लिए दिसंबर-जनवरी के माह में इसकी कांट-छांट कर देनी चाहिए, अगर कांट-छांट न की जाए तो फल कम पड़ता है।

कटहल पौधों की बुआई कटहल के पक्के फल के बीजों से की जाती है तथा बिन बीज वाले पौधों की बुआई बिन बीज वाले कटहल के पौधों की जड़ से नए पौधे लिए जाते हैं। कटहल के बीज वाले फल को बीज पड़ते हैं तथा ऊपर ही पकने वाले फल से बीज निकाल कर बोए जाएं तो भी उगते हैं। फरवरी माह या फिर बरसातों में ही इसके पौधे खेतों में लगाएं।

प्रथम दो-तीन माह इनकी संभाल बहुत अनिवार्य है। एक से दूसरे पौधे की दूरी 40 फुट तक होनी चाहिए। जड़ से पैदा किए पौधे को 5-6 वर्षों बाद ही फल पड़ जाता है परन्तु बीज वाले पौधे को आठ से दस वर्ष बाद ही फल पड़ता है। इसके टूटे हुए फल को अगर खुली हवा में न रखा जाए तो एक सप्ताह में ही यह हल्का होकर पिचक जाएगा। इसकी लकड़ी पीले रंग की होती है तथा बहुत अच्छी किस्म की होती है। इसकी लकड़ी को दीमक नहीं लगता। इसकी लकड़ी से दरवाजे, खिड़कियां तथा फर्नीचर आदि बनता है। पॉलिश करने पर इसका काठ भव्य लगने लगता है। इसके बुरादे से एक प्रकार का पीला रंग बनता है जिससे बर्मा में आज बौद्ध-भिक्षु अपने वस्त्र रंगा करते हैं। इसकी छाल के काढ़े से भी रंग तैयार होता है।

कटहल की खेती अपनायें-खूब लाभ कमायें

कटहल के पौधे दीर्घ जीवी अधिक लाभ देने वाले विटामिन ए, सी तथा खनिज पदार्थो से भरपूर होते है। इनके फलों का उपयोग मुख्य रूप से सब्जी एवं अचार के लिए किया जा सकता है। यदि किसान कटहल का उत्पादन व्यवसाय रूप से करें तो उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। वर्तमान में उद्यानिकी विभाग द्वारा विषेष तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता दी जा रही है। जिसका किसान लाभ ले सकें।

कटहल मध्यप्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके लिए पानी के निकास वाली गहरी उपजाऊ दोमट भूमि अच्छी रहती है। यह पौध अधिक सर्दी, गर्मी सहन नहीं कर पाता है किन्तु पर्याप्त प्रकाष मिलने पर इसका उत्पादन अच्छा हो जाता है।

कटहल की दो किस्में होती है। कडे गूदे वाली व मुलायम गूदे वाली इसकी जो प्रमुख जातियां है उनमें रूद्राक्षी, सिंगापुर, मुत्तम, वारीखाल व खाजा। रूद्राक्षी के फल छोटे व कांटे वाले होते है इनका वजन 4 से 5 किलो तक होता है। पूर्ण अवस्था प्राप्त वृक्षों से 500 से अधिक फल प्राप्त होते यह सब्जी के लिए उपयुक्त किस्म है। सिंगापुर जाति का वजन 7 से 10 किलो तक होता है गूदा मीठा फुर्रफुरा व पीले रंग का होता है। मुत्तम औसत 7 किलोग्राम तक का फल लगता है। सबसे बडे फल वाली किस्म खाजा है यह इसमें सफेद कोये वाले फल का भार 25 से 30 किलोग्राम तक होता है। इसके कोये पकने पर दूध की भांति सफेद रसदार एवं कोमल होते है।

कटहल का उद्यान लगाने के लिए चयनित स्थान पर रेखांकन कर 10 मीटर कतार से कतार एवं 10 मीटर पौधे की दूरी पर एक मीटर लंबे चौडे एवं गहरे आकार के गड्ढों को खोदकर मई के अंतिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह में खेत की मिट्टी व गोबर की खाद के मिश्रण के साथ 500 ग्राम सुपर फासफेट, 500 ग्राम पोटास एवं 50 ग्राम ऐलडेग्स चूर्ण मिलाकर भर दिये जाते है। वर्षा ऋतु में पौध के रोपण हेतु उपयुक्त समय होता है। पौध रोपण के बाद मिट्टी को अच्छी तरह से दबा देते है और नियमित देखभाल की जाती है। पौधों में संतुलित मात्रा में 1 से 6 वर्ष तक गोबर की खाद एवं उर्वरक की मात्रा दी जाती है। पौधों की सिंचाई हेतु गर्मी में 15 दिन व सर्दी ऋतु में 1 माह में सिंचाई की जाती है। दो तीन वर्ष की उम्र के पौधों की गर्मी के समय 7 दिन व ठंड में 15 दिन में सिंचाई करना ठीक रहता है।

कटहल के वृक्ष में नर एवं मादा फूल आते है। नर पहले व मादा बाद में आते है। नर फूल बाद में झण जाते है। मादा फूल मुख्य तने से लेकर प्रारंभिक तथा सहायक शाखाओं में लगे रहते है। अच्छी फसल के लिए कीट व्याधी उपचार हेतु समय-समय पर दवाओ का छिड़कावं जरूरी है। कटहल की उपज औसतन 10 से 15 वर्ष पश्चात् 100 से 250 फल प्रति वृक्ष प्राप्त होते है। फलों का भार 5 से 30 किलोग्राम तक होता है और मार्च से जून तक प्राप्त होते है।

बिना जुताई के बोआई करने वाली मशीन

आज के आधुनिक जहां हर क्षेत्र में नई नई तकनीके आ रही हैं वहीं कृषि क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ाने के लिए हमारे वैज्ञानिक भी लगे हुए हैं और सफल भी हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कम समय और कम लागत में कृषि उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के कृषि यंत्रों का निर्माण ही नहीं किया गया बल्कि उनसे कृषि उत्पादन बढ़ाने में कई अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। नए-नए कृषि यंत्रों से जहां किसानों का समय बचा है वहीं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। भारत के किसानों ने खेती के उत्पादन बढ़ाने के लिए कई तरह के यंत्रों का उपयोग अपनी खेती किसानी के लिए किया है।

भगवान शंकर की शोभायात्रा निकाली गई

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू उपखंड क्षेत्र के ग्राम निमोडिया व नया निमोडिया मे महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शंकर पार्वती और भगवान गणेश की शोभा यात्रा निकाली गयी। शंकरलाल बेनीवाल ने बताया कि श्री राम मानस मण्डल तथा वीर तेजाजी युवा मण्डल नया निमोडिया द्वारा शोभायात्रा निकाली गयी। उप सरपंच रामप्रसाद जाट, रामलाल जाट, राजेश जाट और अन्य ग्रामवासियों द्वारा शोभायात्रा रथ का पूजन कर शोभायात्रा को रवाना किया। गांव के भक्त लोग डीजे पर नाचते कूदते हुए शोभायात्रा का आनंद लिया। निमोडिया मे भगवान शंकर, पार्वती और गणेश का पूजन और आरती पूर्व सरपंच रामचन्द्र चौधरी पूर्व उपसरपंच संतोष चौधरी, शंकर लाल बेनीवाल वरिष्ठ अध्यापक और रामेश्वर जाट ने की गई।शोभायात्रा के माध्यम से युवाओ मे भारत की रक्षा, सभ्यता और संस्कृति की रक्षा और संस्कारित जीवन जीने का सन्देश दिया।

विद्यालय में एसडीएमसी की मासिक मीटिंग के दौरान औषधि युक्त पौधे लगाए

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.)। कोटखावदा कस्बे के स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटखावदा में 27 फरवरी अमावस्या तिथि को एसडीएमसी की मासिक मीटिंग का आयोजन माँ शारदे के दीप प्रज्जवलन व पूजन करके प्रधानाचार्य बोदूलाल की अध्यक्षता में आरम्भ की गई। विद्यालय हित में उपस्थित सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर निर्णय लिए गए वह विद्यालय में शैक्षिक सह शैक्षिक व भौतिक उन्नयन के लिए कराए गए कार्यों का अनुमोदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विधायक प्रतिनिधि श्रवण लाल गूर्जर एवं डॉ सुभाष चन्द शर्मा व उपस्थित सभी सदस्यों व स्टाफ द्वारा विद्यालय परिसर में पंच गौरव वृक्षरोपण अभियान के तहत लिसौड़ा व आँवला व अन्य औषधी युक्त पादप लगाकर वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान एसडीएमसी के सदस्यों सहित प्रधानाचार्य बोदूलाल बेनीवाल, रामजीलाल बैरवा, विपिन बिहारी लाल शर्मा, विभा शर्मा देवीलाल जाट, विनोद शर्मा, रमेश चन्द मीना पंकज जैन व अन्य सभी स्टाफ व छात्र उपस्थित रहें।

राज्य स्तरीय आरोग्य मेले की तैयारियां अंतिम चरण में

जयपुर टाईम्स

जयपुर(कासं.)। शिल्पग्राम जवाहर कला केन्द्र जयपुर में 1 से 4 मार्च 2025 को आयोजित होने वाले चार दिवसीय राज्य स्तरीय आरोग्य मेला 2025 की होने वाली तैयारियों का विभाग के निदेशक डॉ आनंद शर्मा ने निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। राज्य स्तरीय आरोग्य मेले के नोडल प्रभारी डॉ बत्ती लाल बैरवा ने मेला स्थल पर विभिन्न क्लीनिक एवं फार्मेसी व अन्य स्टॉलो का आवंटन करते हुआ इनकी साज सज्जा को अंतिम रूप प्रदान करने के दिशा निर्देश दिये। इस मोके पर आयोजन से जुड़ी सभी समितियों के प्रभारी व सदस्य मौजूद रहे।

राज्य में जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण के संशोधित प्रावधान लागू

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। राज्य सरकार की ओर से जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण संशोधित नियम 2025 की अधिसूचना का प्रकाशन दिनांक 07 फरवरी 2025 को राजस्थान राजपत्र में किया गया है। इसके पश्चात राज्य में संशोधित नियम लागू हो गए हैं। बीकानेर जिले में जिला कलक्टर की ओर से समस्त रजिस्ट्रार/उप रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) को संशोधित नियमों के प्रावधानों की पूर्ण पालना बाबत निर्देशित किया है, प्रमुख संशोधन इस प्रकार हैं जन्म और मृत्यु की 30 दिवस के पश्चात 1 वर्ष के भीतर की घटना के लिए जारी की जाने वाली अनुज्ञा ग्रामीण क्षेत्र में ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी की ओर से जारी की जाएगी। वर्तमान में जन्म या मृत्यु की घटना की सूचना 21 दिवस पश्चात रजिस्ट्रार को देने पर 1 रुपए विलम्ब शुल्क देय है। संशोधन (नियम) में यदि घटना की सूचना 21 दिवस पश्चात परंतु 30 दिवस के भीतर रजिस्ट्रार को दी जाती है, तो 20 रुपए विलम्ब शुल्क देय होगा। यदि घटना की सूचना 30 दिवस पश्चात परंतु वर्ष के भीतर दी जाती है, तो 50 रुपए विलम्ब शुल्क देय होगा तथा घटना की सूचना 1 वर्ष पश्चात दिए जाने पर 100 रुपए विलम्ब शुल्क देय होगा।

चिकित्सा संस्थानों की ओर से जन्म-मृत्यु पंजीयन में 21 दिवस सें अधिक विलम्ब किए जाने पर अथवा सूचना समय पर नही देने पर पूर्व में 50 रुपए की पेनल्टी का प्रावधान था, जिसे बढाकर अब 250 रुपए एवं अधिकतम 1000 रुपए की पेनल्टी का प्रावधान किया गया हैं। जन्म-मृत्यु के विलम्बित रजिस्ट्रीकरण में नोटरी सत्यापन को समाप्त किया गया हैं। अपील का प्रावधान किया गया है। यदि प्रार्थी रजिस्ट्रार, जिला रजिस्ट्रार से संतुष्ट नही हैं तो उच्च स्तर पर अपील कर सकता हैं। उक्त अधिसूचना राजस्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 7.2.2025 से लागू हो गई है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यशाला का हुआ आयोजन

जिला कलक्टर ने नि-क्षय मित्र बन मरीजों को वितरित की पोषण सहायता

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस दौरान जिला कलक्टर द्वारा नि-क्षय मित्र बनकर टीबी मरीज को पोषण सहायता प्रदान की गई। प्रत्येक ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त करने की दिशा में अधिकारी करें प्रभावी कार्य- कार्यशाला में जिला कलक्टर द्वारा शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, रसद विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं जिले के समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को टीबी रोग के प्रति जागरूक रहकर ज्यादा से ज्यादा नि-क्षय मित्र बनाकर जिले में टीबी का इलाज ले रहे मरीजों को उनके माध्यम से पोषण किट उपलब्ध करवाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को प्रत्येक ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त करने की दिशा में प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए जिससे कि केन्द्र सरकार की मंशानुरूप टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान सफल हो सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने समस्त खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को केम्पेन के तहत शत प्रतिशत एक्स-रे, नॉट एवं नि-क्षय मित्र बनवाने हेतु जनप्रतिनिधियों एवं भामाशाहों को जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जिला कलेक्टर ने निक्षय मित्र बनकर पोषण सहायता उपलब्ध करवाई है ऐसे ही पोषण सहायता उपलब्ध करवाकर अन्य अधिकारी भी निक्षय मित्र बन सकते हैं। उन्होंने समस्त विभागों के अधिकारियों को भी निक्षय मित्र बनने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अमित कुमार गोयल द्वारा क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। उन्होंने निक्षय मित्र विषय पर जिले में समीक्षा करते हुए कहा कि टीबी के मरीजों को सहायता प्रदान करने के लिए जिले में भामाशाहों को चिन्हित कर प्रेरित करें एवं जरूरत अनुसार निक्षय मित्रो की नियुक्ति करे जिससे कि टीबी के मरीजों की देखभाल व पोषण किट समय पर जरूरत अनुसार वितरित हो सके। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग द्वारा तय 6 पैरामीटर के अनुसार प्रभावी कार्य करने वाली ग्राम पंचायतो को चिन्हित कर टीबी मुक्त अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवी संस्थाओं का भी चिन्हीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के सहयोग से जिले भर में अनेक जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन की रीट परीक्षार्थियों के लिए विशेष व्यवस्था

रैन बसेरो में परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होने पर नगर परिषद परिसर में कराया रात्रि विश्राम

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी के निर्देश पर जिले में 27 एवं 28 फरवरी को अध्यापक पात्रता परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए है। प्रशासन द्वारा बाहरी जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए भी ठहरने और भोजन की व्यवस्था की गई है। नगर परिषद आयुक्त नरसी मीना ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देश पर रीट परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए नगर परिषद द्वारा संचालित रैन बसेरे में ठहरने की व्यवस्था की गई है। साथ ही श्री अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से गुणवत्तायुक्त भोजन के पैकेट भी अभ्यर्थियों को उपलब्ध करवाए गए है। नगर परिषद आयुक्त ने बताया कि रात्रि में रैन बसेरे में परीक्षार्थियों की संख्या अधिक बढ़ने पर नगर परिषद परिसर में परीक्षार्थियों के ठहरने की व्यवस्था की गई।

आयुक्त ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

जिले में परीक्षा देने के लिए ट्रैन एवं बसों से आए अभ्यर्थियों के आने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। नगर परिषद आयुक्त ने कर्मचारियों के साथ देर रात तक फील्ड पर रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देश पर रीट परीक्षार्थियों के लिए आगे भी व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रहेगी। किसी भी परीक्षार्थी को कोई भी असुविधा न हो, इसके लिए नगर परिषद की ओर से विशेष व्यवस्था की गई है।

जिला कलक्टर ने किया फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का किया औचक निरीक्षण

पावटा(निसं.)।। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने गुरुवार को एग्रीस्टैक योजनांतर्गत तहसील पावटा की ग्राम पंचायत पंडितपुरा एवं खेलना में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में समुचित व्यवस्थाएं बनाए रखें ताकि इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने किसानों से अपने परिचित किसानों को शिविर के बारे में जानकारी देने की अपील करते हुए बताया कि किसान रजिस्ट्री, एग्रीस्टैक परियोजना के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की एक पहल है जिसके माध्यम से कृषक विवरण, उसके द्वारा धारित कृषि भूमि का विवरण, प्रत्येक कृषि भूखण्ड के जीपीएस निर्देशांक, उस पर बोई गई फसलों का विवरण आदि को डिजिटल रूप में संकलित किया जाकर, प्रदेश के प्रत्येक किसान को एक 11 अंकों की एक यूनिक आईडी (विशिष्ट किसान आईडी) आवंटित की जाएगी, जिससे किसान डिजिटल रूप से अपनी पहचान प्रमाणित कर सकेंगे।इस दौरान उन्होंने शिविरों में अब तक हुए पंजीकरण की जानकारी लेते हुए शिविर प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री शिविरों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा किसानों को केंद्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने राजस्व ग्रामों के लक्ष्यानुरूप पीएम किसान सम्मान निधि योजना के समस्त किसानों का पंजीकरण करने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार व व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से अधिकाधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बांदीकुई में जमीनी विवाद, दो पक्षों में खूनी संघर्ष

बांदीकुई (निसं.)।नांगल झामरवाड़ा गांव में गुरुवार को जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से हमला होने से चार लोग घायल हो गए। घटना में अवधेश सिंह (53 वर्ष) और नरसिंह (50 वर्ष) के पक्ष शामिल थे। दोनों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष जमीन पर अपना-अपना दावा कर रहे थे। विवाद के दौरान दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस हिंसक झड़प में अवधेश सिंह, रवि सिंह (26 वर्ष), नरसिंह और रामूसिंह (30 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। करीब आधे घंटे तक चले इस संघर्ष के बाद सभी घायलों को पहले बांदीकुई उपजिला अस्पताल ले जाया गया।

कार्यालय,नगरपालिका पावटा - प्रागपुरा (कोटपूतली - बहरोड़)

नवोदय स्कुल के पास पावटा-303106, 'राज0

फोन. 01421-294619 Email Id: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com Website: www.Paotapragpura.com

क्रमांक- न.पा.पाव.प्रा./2024-25/भूमिं/390 दिनांक- 27.2.2025

आपत्ती आमंत्रण सूचना

निम्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में कृषि भूमि नियमन आवासीय पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ती हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र.सं	आवेदक का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल (वर्गगज)	भूखण्ड के पडोस की सीमाओं का विवरण			
				उत्तर	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम
1	श्रीमती गंगा देवी पत्नी कैलाश चन्द वर्मा	2040, पावर हाउस के पास, पावटा	316.21	आम रास्ता	आम रास्ता	अन्य का प्लॉट	गली के बाद शंकर लाल का प्लॉट

(फतेह सिंह मीणा)
अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका पावटा

बूथ लेवल अभिकर्ताओं की नियुक्ति करे राजनीतिक दल

बीकानेर(निसं.)।। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव ने कहा कि सभी राजनीतिक दल बूथ लेवल अभिकर्ताओं की नियुक्ति करते हुए एक सप्ताह में सूची उपलब्ध करवाएं। एडीएम सिटी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों की ओर से बीएलए नियुक्त नहीं किए गए हैं। प्रत्येक बूथ के आधार पर न्यूनतम एक-एक बीएलए नियुक्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में पात्र व्यक्तियों के नाम जुड़वाने सहित विभिन्न कार्यों में इनका सहयोग लिया जाए। उन्होंने इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के बारे में जानकारी दी। बैठक में भाजपा से श्याम सुंदर चौधरी, कांग्रेस से मार्शल प्रह्लाद सिंह, बसपा से पवन कुमार ओझा, निर्वाचन शाखा के नायब तहसीलदार सुभाष चंद्र मीना और शिव कुमार पुरोहित मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बगरू, (जयपुर)

टेलिफोन नं. – 0141–2865360 ई–मेल – bagruulb.jaipur@gmail.com

क्रमांक :–एफ( )न.पा.ब. / निर्माण / 2024–25 / 220 दिनांक :– 25.02.2025

–: निविदा सूचना : –

नगर पालिक बगरू द्वारा उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत सवेदको से मोहर बन्द निविदाये आमत्रिंत कि जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है साथ ही sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code DLB2425A5874 पर भी देख सकते है।

निविदा के कार्य	कुल 03 कार्य
पोर्टल पर निविदा पब्लिस करने की दिनांक	25 / 02 / 2025
टेण्डर कॉपी मिलने की दिनांक एवं समय	03 / 03 / 2025 1.00 PM
टेण्डर कॉपी जमा करने की अन्तिम दिनांक एवं समय	03 / 03 / 2025 03.00 PM
टेण्डर खोलने की दिनांक	03 / 03 / 2025 04.00 PM
Unique Bid Number	DLB2425WSOB18315, 18316, 18317

राज.संवाद / सी / 24 / 12313

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका बगरू

कार्यालय- सदस्य सचिव, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

Email:-, msdbhchuru@gmail.com Phone- 01562-250333
क्रमांक- लेखा / निविदा/2024/6551 दिनांक- 16.2.25

-निविदा आमन्त्रण सूचना-

इस चिकित्सालय को निम्न विवरणानुसार से सामग्री क्रय / कार्य हेतु वार्षिक दर संविदा / अनुवन्ध किया जाना है। अतः इच्छुक निविदादाताओं यथा - विर्निमाताओं/ अधिकृत फर्मो / डीलरों / बोनाफाइड डीलर्स आदि से दो रूपों में निविदा प्रस्ताव यथा - तकनीकी प्रस्ताव व वित्तीय प्रस्ताव हेतु मुहरबन्द लिफाफों में निविदायें आमन्त्रित है। निविदा की शर्ते, निविदा शुल्क, अमानत राशि, अनुमानित लागत, ई निविदा प्रपत्र विक्रय / डाउनलोड कर प्रस्तुत करने / निविदा खोलनें की तिथि व समय इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी कार्यालय कार्य दिवस/समय में और वैवसाईट sppp.rajasthan.gov.in पर देखनें /डाउनलोड करनें हेतु अपलोड कर दी गयी हैं।

क्र.सं.	निविदा सामग्री का विवरण	UBN No.
1	कम्प्यूटर डेस्कटॉप, प्रिंटर, यूपीएस क्रय हेतु	MHS2425GSRC04885

DIPR/C/2367/2025

सदस्य सचिव (RMRS)
राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

सार्वजनिक - आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं की क़स्बा ढाणी- बागापडतान की आबादी भूमि के वार्ड न.04 तहसील मलसीसर जिला झुंझुनू (राजस्थान) में एक पट्टा सुदा अवासीय भूमि कुल क्षेत्रफल 432 वर्गगज की निम्नलिखित सीमा की स्थित है, जिसका पट्टा सरपंच ग्राम पंचायत जाबासर पंचायत समिति अलसीसर के द्वारा पट्टान0 86/ 2 दिनांक 17.01.1991 जो गणपतराम पुत्र जीताराम जाति जाट नि0 ढाणी बागापड़तान के नाम से जारी किया हुआ हैं, तत पस्चायत गणपतराम व मनोहरी का देहांत हो चूका हैं, तत पस्चायत दिनांक- 06.02.2025 को एक विक्रय पत्र जो गणपतराम के पुत्र चन्दगीराम पुत्र स्व. गणपतराम व राजेंद्र कुमार पुत्र स्व. गणपतराम जाति जाट निवासी- ग्राम ढाणी बागापड़तान तहसील- मलसीसर व जिला झुंझुनू जो यह लोग विक्रेता हैं। जो महिपाल पुत्र परतुराम जाति जाट निवासी ग्राम ढाणी बागापड़तान तहसील- मलसीसर व जिला झुंझुनू जो क्रेता हैं । उपरोक्त पट्टा सुदा भूमि कुल छेत्रफल- 432 वर्गगज भूमि का बेचान कर दिया है जो यहाँ विक्रय पत्र दिनांक- 06.02.2025 को उपपंजीयन मलसीसर में पुस्तक स- 1 जिल्द नं. 327, पेज नं. 11 क्रम सं, 202503455100155, अतिरिक्त पुस्तक संख्या- 1 जिल्द नं. 567, पेजेज- 142 से 111 से 121 पर निष्पादित सुदा हैं।

आसा पासा पट्टा न0 86/2 ढाणी- बागापडतान की आबादी भूमि के वार्ड न.04 तहसील मलसीसर जिला झुंझुनू (राजस्थान) में स्थित हैं

उत्तर	दक्षिण	पूर्व	उत्तर
भूखंड किशना राम पुत्र काना राम चमार	आम रास्ता 21 फीट चोडाई का	भूखंड खमाणाराम पुत्र जीता राम जाट का	भूखंड

कुल 432 वर्ग गज

उक्त पट्टा सुदा भूमि जो महिपाल पुत्र परतुराम जाति जाट निवासी ग्राम ढाणी बागापड़तान तहसील- मलसीसर व जिला झुंझुनू के स्वामित्व का हैं जिसमे 7 ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु उक्त सम्पति को (HINDUJA HOUSING FINANCE LTD) के यहाँ रहिन रख ऋण सुविधा प्राप्त कर रहा है जिस बाबत उक्त पट्टा सुदा भूमि को रहीन रखे जाने व बैंक द्वारा ऋण सुविधा प्राप्त किये जाने में कोई Objection या आपत्ति आमजन या किसी हितधारी को हो तो सार्वजनिक सुचना के तहत 07 दिवस के भीतर भीतर निचे हस्ताक्षरकर्ता के यहाँ लिखित ऐतराज पेश करें बाद मियाद ऋण स्वीकृत कर प्रदत कर दिए जाने उपरांत किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज Objection मान्य व स्वीकार्य नहीं होगा ।

भवदीय
HINDUJA HOUSING FINANCE LTD CHURU
BRANCH मुस्तफा खान MO- 7850875974.
विनोद कुमार सोनी एडवोकेट चैम्बर न. 25 कोर्ट परिसर चूरू मो. 9414333756.

कार्यालय- अधिशाषी अभियन्ता, दशम खण्ड, इ. गा.न.प. तारानगर (चूरू)

दूरभाष नं. 01561-240367 ई-मेल पता xen10taranagar@gmail.com
क्रमांक-2402 दिनांक- 17.02.2024

ई - निविदा संख्या 06 वर्ष 2024-25

राजस्थान राज्यपाल महोदय, की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीयन नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पजीकृत एंव अनुभवी संवेदकों से ई - निविदा संख्या 06 वर्ष 2024-25 में वर्णित कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जानी है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा डाउनलोड करने की तिथि / अपलोड करने की तिथि तथा निविदा की शर्तें, इत्यादि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.nic.in पर देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 18.02.2025 प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 03.03.2025 प्रातः 11.00 बजे तक http://eproc.rajastan.gov.in से डाउनलोड / अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएँ दिनांक 03.03.2025 को मध्यानह पश्चात् 3.00 बजे खोली जावेगी ।

NIB code : IGB2425A0127

UBN IS:
IGB2425WSOB00661, IGB2425WSOB00662, IGB2425WSOB00663, IGB2425WSOB00664, IGB2425WSOB00665, IGB2425WSOB00666, IGB2425WSOB00667, IGB2425WSOB00668, IGB2425WSOB00669, IGB2425WSOB00670, IGB2425WSOB00671, IGB2425WSOB00672, IGB2425WSOB00673, IGB2425WSOB00674, IGB2425WSOB00675, IGB2425WSOB00676, IGB2425WSOB00677, IGB2425WSOB00678, IGB2425WSOB00679, IGB2425WSOB00680

DIPR/C/2380/2025

(प्रभु सिंह राठौड़)
अधिशाषी अभियन्ता
दशम खण्ड, इ. गा.न.प.
तारानगर (चूरू)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, छापर (चूरू) राज0

Email - nagarpalikachhapar@yahoo.in Phone no. - 01568-242099
क्रमांक- न.पा.छा./2024/2713 दिनांक- 03-01-2025

आपत्ति आमंत्रण - विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय हाजा निम्नलिखित पत्रावलियां प्रस्तुत हुई है। अतः उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आवासीय निर्माण स्वीकृती संबंधी आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सुसंगत सबूत एवं दस्तावेजों के साथ अन्दर मियाद सात दिवस कार्यालय हाजा प्रस्तुत कर सकतें है। बाद गुजरने मियाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार/सुनवाई नही की जावेगी । सूचित रहें।

आवासीय निर्माण स्वीकृति के तहत पत्रावली

क.सं.	पत्रावली का विवरण	क्षेत्रफल वर्गमीटर
01	श्री महावीर प्रसाद तंवर पुत्र भीखाराम जाति माली वार्ड नं 05 रेलवे स्टेशन रोड बस स्टेण्ड के पास कस्बा छापर चूरू	686.31

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मण्डल
छापर (चूरू) राज.

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
28 फरवरी, 2025

रीट एग्जाम की पहली पारी की परीक्षा समाप्त : दौड़ते हुए सेंटर पर पहुंचे अभ्यर्थी

चाक चौबंद रही सुरक्षा, महिला परीक्षार्थियों चुड़िया भी उतरवाई

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। प्रदेश में रीट 2024 की परीक्षा का आयोजन हो रहा है। नकल रोकने लिए कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही। सभी परीक्षार्थियों को पूरी जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। महिला परीक्षार्थियों की चुडियां भी उतरवाई गई। रीट के एग्जाम की पहली पारी की परीक्षा समाप्त हो गई है। बड़े उत्साह के साथ एग्जाम दिया। परीक्षार्थियों ने पेपर को अच्छा बताया। कुछ ने आसन बताया तो कुछ हार्ड बताया। झुंझुनूं में 64 केंद्रों पर रीट का एग्जाम हो रहा है। पहली पारी की परीक्षा 12:30 बजे खत्म हो चुकी है। झुंझुनूं में दो दिन में 48 हजार से कैंडिडेट्स रीट का एग्जाम देंगे। पहली पारी में पेपर देकर आए अभ्यर्थियों ने बताया कि पेपर आसान था। व्यवस्था भी अच्छी थी। किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। सेलेब्स में जो पढ़ा था लगभग वही था। राजस्थान जीके से ज्यादा सवाल थे। कैंडिडेट्स ने बायोमेट्रिक व्यवस्था की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऐसा होना चाहिए। महिला अभ्यर्थी ने कहा कि 150 सवाल आए थे। सब्जेक्ट के अनुसार थे। ऐसा कोई सवाल नहीं था, जो आउट ऑफ सिलेबस हो। पेपर बहुत अच्छा रहा। परीक्षा शुरू होने से 2 घंटे पहले सेंटर पर रिपोर्टिंग शुरू हो गई। अभ्यर्थियों को सेंटर में एक घंटे पहले तक ही प्रवेश दिया गया। कई अभ्यर्थी दौड़ते हुए सेंटर पर पहुंचे। झुंझुनूं में 48 हजार 251 स्टूडेंट्स एग्जाम दे रहे हैं। जिले में झुंझुनूं, चिड़ावा और बगड़ में 64 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। प्राइवेट संस्थानों में स्थापित किए गए सेटरों पर भी सरकारी कर्मचारियों की डयूटी लगाई गई। जिले के 2016 राजकीय कार्मिकों को वीक्षक नियुक्त गया है। इनके अलावा 64, केन्द्राधीक्षक, 70 अतिरिक्त केंद्राधीक्षक और 64 पेपर कोऑर्डिनेटर लगाए गए हैं। परीक्षा में निगरानी के लिए 13 जोनल मजिस्ट्रेट सहित 22 उड़नदस्ते गठित किए गए हैं।

नकल रोकने के लिए कड़े बंदोबस्त किए

परीक्षा के दौरान नकल, पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार अलर्ट मोड पर है। केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए है। पेपर लाने-ले जाने वाले वाहनों पर जीपीएस लगाए गए है। जिन सेंटर्स पर एग्जाम हो रहे हैं, वहां पर पुलिस विशेष रूप से तैनात है। खुफिया पुलिस भी अपना काम कर रही है। डमी अभ्यर्थी पर अंकुश लगाने के लिए पहली बार कैंडिडेट्स का फेस रिकग्निशन किया गया। साथ ही, अंगूठे का निशान भी लिया गया। इसके अलावा पूरे प्रोसेस की वीडियोग्राफी कराने और सीसीटीवी से नजर रखने की व्यवस्था की गई है।

परीक्षा के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन

उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से रीट परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों के लिए श्रीगंगानगर से झुंझुनूं होकर दौराई (अजमेर) तक रीट परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाई गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ के मुताबिक गाड़ी संख्या 04719 श्रीगंगानगर से 27 फरवरी को दोपहर 3:35 बजे रवाना होकर अगले दिन 28 फरवरी को सुबह 6:55 बजे दौराई पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04720 दौराई (अजमेर) से 28 फरवरी को दोपहर 1:35 बजे रवाना होकर अगले दिन 29 फरवरी को सुबह 7:30 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। यह ट्रेन सादुलशहर, हनुमानगढ़, हनुमानगढ़ टाउन, टीबी, तलवाड़ा झील, ऐलनाबाद, खिनानियां, नोहर, गोगामेड़ी, तहसील भादरा, अनूपशहर, सिद्धमुख, सादुलपुर, लोहारू, सूरजगढ, चिड़ावा, झुंझुनूं, डूंडलोद मुकुंदगढ़, नवलगढ़, सीकर, पलसाना, रींगस, रेनवाल, फुलेरा, किशनगढ़ व अजमेर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस ट्रेन में 10 स्लीपर, 4 लोकल व 2 गार्ड डिब्बों समेत कुल 16 डिब्बे होंगे।

यात्री भार के अनुसार रोडवेज बसें लगाई

झुंझुनूं रोडवेज आगार के मुख्य प्रबंधक गणेश शर्मा ने बताया कि परीक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए है। यात्री भारी के अनुसार बसें लगाई गई है। राजस्थान में रीट परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी रोडवेज बसों में फ्री सफर कर सकेंगे। इस बार पात्रता परीक्षा में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को राजस्थान सरकार की ओर से परीक्षा से 2 दिन पहले और 2 दिन बाद कुल 5 दिन तक फ्री यात्रा की सुविधा दी गई है। इसके लिए अभ्यर्थियों को अपना एडमिट कार्ड दिखाना होगा।

विद्यार्थियों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था

रीट परीक्षार्थी के लिए प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं की ओर से विभिन्न जगह रहने व खाने की व्यवस्था की गई है। प्रशासन की ओर झुंझुनूं शहर में राणी सत्ती, खेतान धर्मशाला में परीक्षार्थियों के रहने और खाने की व्यवस्था की है। मुस्लिम न्याय मंच, खलीफा वेलफेयर सोसाइटी और रजिया एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में अल्पसंख्यक अभ्यर्थी लड़कों के लिए मुगलान मोहल्ले में स्थित रजिया गेस्ट हाउस और नूर संस्थान गेस्ट हाउस में छात्राओं के लिए निशुल्क भोजन और रहने की व्यवस्था की गई।

प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा, शिव बारात में उमड़ा सैलाब

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। महाशिवरात्रि के पर्व बुधवार शाम को धूमधाम से से मनाया गया। कस्बे के वार्ड न0 दो में नवनिर्मित ब्रह्म बगीची शिव मन्दिर में शिव परिवार प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठापन्न विधि विधान से की गई। फतेहपुर शेखावाटी के पण्डित प्रदीप शर्मा के सानिध्य में पूर्णाहुति यज्ञ का आयोजन हुआ, इसके बाद महाआरती की गई। वहीं शाम को सीयारामजी की बगीची से शिव बारात रवाना हुई। इस दौरान ओमकारा आर्ट सिरसा की पार्टी की ओर से शिव तांडव, अघोरी नृत्य व विशेष झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही तथा कस्बेवासी शिव बारात के साक्षी बने और शादी में जमकर नृत्य किया। इस दौरान पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी, पार्षद एड़वोकेट राजकुमार सैनी, अमित - मुकेश बुड़ानिया, राजेश रणजीरोत, चान्द बिहारी गुर्जर, नरोत्तम चेजारा, पंकज शर्मा, मनीष कुमावत, हितेष प्रजापति, विकास बागोरिया, सुरेश सैनी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

दस साल से फरार ईनामी बदमाश गिरफ्तार

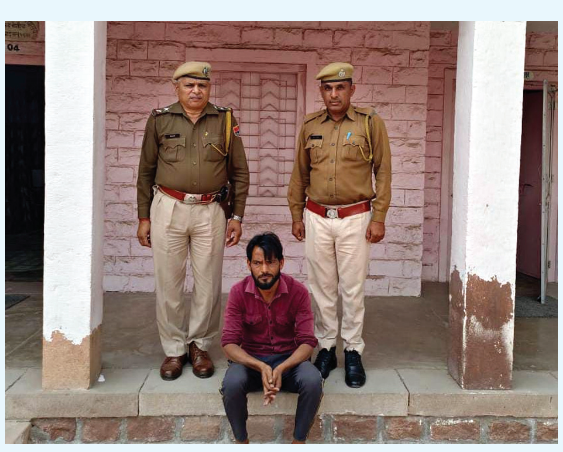

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कोतवाली पुलिस ने दस साल से फरार चल रहे ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। सीआई बेगाराम मीणा ने बताया कि वर्ष 2015 में करणी कॉलोनी में भंवर सिंह के साथ मारपीट करने के आरोप में फरार चल रहे आरोपी सिकन्दर खान पुत्र फूले खान, निवासी होली धोरा, सुजानगढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पांच सौ रूपए का ईनाम था।

साधारण सभा की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका बोर्ड की साधारण सभा की बैठक का आयोजन गुरुवार को पालिका के सभागार में लक्ष्मण नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मुस्तफा कुरैशी की अध्यक्षता में किया गया। आयोजित बैठक के दौरान एजेंडे में कुल 18 बिंदु शामिल किए गए जिन पर चर्चा की गई। एजेंडे के 18 बिंदुओं में शहर के सार्वजनिक चौकान में सौंदर्यकरण व पार्क विकसित करने, शहर की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में जाने जाने वाले घंटाघर की सार संभाल, अतिक्रमण, रोड व नालों की मरम्मत सहित अन्य बिंदु भी शामिल थे जिन पर चर्चा की गई।नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मुस्तफा कुरैशी ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 बिंदुओं में से 17 बिंदुओं को सर्वसम्मति से पास किया गया है। शहर में व्यापक रूप से व्याप्त अस्थाई अतिक्रमण पर कारवाई को ले कर मुस्तफा कुरैशी ने कहा कि जो गलत है उसको नगर पालिका प्रशासन की ओर से हटाया जाएगा। कुरैशी ने कहा कि पालिका की ओर से खाली जमीन देखी जायेगी जिससे की हाथ ठेलो के अस्थाई अतिक्रमण का स्थाई समाधान किया जा सके। दौरान लक्ष्मण नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मुस्तफा कुरैशी, पाली का उपाध्यक्ष बनवारी लाल पांडे, नेता प्रतिपक्ष ललित पुरोहित, पवन बुटोलिया, महावीर प्रसाद सैनी, पार्षद विष्णु शर्मा, मुकेश सैनी, फैयाज डॉलर, एडवोकेट सज्जन सैनी सहित पार्षद व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक घायल

जयपुर टाइम्स

रतनगढ(निसं.)। बीकानेर रेवाड़ी ट्रेन की चपेट में आने से 30 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे राजलदेसर अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद रतनगढ़ जिला अस्पताल रैफर कर दिया। मामले के अनुसार श्रीडूंगरगढ़ तहसील के गांव कीतासर निवासी 30 वर्षीय लालाराम नाई पटरियां पार कर रहा था कि इसी दौरान लालाराम ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसके दोनों पैर शरीर से अलग हो गए। वहीं कुछ लोगों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर हुए झगड़े के कारण पति ने गुस्से में आकर यह कदम उठाया है। हालांकि पुलिस अधिकारी इस बात की पुष्टि नहीं कर रहे हैं। घटना के बाद जिला अस्पताल में लोगों की भीड़ लग गई।

कुश्ती में बुहाना का अमित बना विजेता

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निसं.)। कस्बे के बाजी वाली ढाणी में स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के सामने खेल मैदान में चल रहे 10 दिवसीय महाशिवरात्रि मेले के तीसरे दिन बुधवार को सुबह सवा 11 बजे मंदिर में विनोद शर्मा के सानिध्य में रुद्राभिषेक करवाया गया। इसके साथ ही मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई। मंगलवार रात को जागरण का आयोजन किया। जिसमें अलीपुर के सुरेश कुमार आर्य की भजन मंडली की ओर से भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। साथ ही बबली डांसर व लोकेश छैला ने एक से बढ़कर एक कॉमेडी पेश की। इससे पहले मंदिर में रात को 51 दीप प्रज्वलित किए गए। बुधवार शाम 5 बजे मेले में कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। कुश्ती बड़ागांव सरपंच संतोष सैनी व पूर्व सरपंच राजेंद्र प्रसाद सैनी की ओर से करवाई गई। इस दौरान 50 रुपए से कुश्ती शुरू हुई। अंतिम कुश्ती 2100 रुपए तक करवाई गई। कुश्ती दंगल में महिला पहलवानों ने भी भाग लिया। महिला वर्ग की 500 रुपए की कुश्ती का मुकाबला प्रियंका सोनी बड़ागांव व रेखा महला की ढाणी के बीच हुआ। जिसमें प्रियंका सोनी विजेता रही। दूसरे मुकाबले में महला की ढाणी की निकिता ने तनिष्का को कराया। पुरुष वर्ग की 2100 रुपए की फाइनल कुश्ती में राजगढ़ के अंकित को बुहाना के अमित ने हराया। सुभाष पहलवान व बीरबल खेदड़ ने रैफरी की भूमिका निभाई। विजेता पहलवानों को मुख्य अतिथि गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी राममनोहर सिंह व पूर्व सरपंच राजेंद्र प्रसाद सैनी ने नकद पुरस्कार दिए। संचालन ओम प्रकाश सैनी व गुटा राम सैनी ने किया।

शिवालयों में उमड़ा श्रद्धालुओ का सैलाब

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। शिवरात्रि के पावन पर्व पर लक्ष्मणगढ़ शहर के शिवालयों व मंदिरों में अल सुबह से ही भक्तो का तांता लगा रहा। शिव भक्तों द्वारा दूध, जल, धतूरे, बैर से शिव पूजा अर्चना की गई तो वहीं महादेव का जलाभिषेक आराधना की गई। शहर के प्राचीन भूतनाथ मंदिर में ढोल व नगाड़ों से महादेव की महाआरती की गई और श्रद्धालुओ की ओर से महादेव के जयकारे लगाए गए। महा आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु नजर आए। मंदिर समिति के दीनदयाल जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया है। इसी के साथ मंदिर परिसर को भी रंग बिरंगी लाइटों व आर्टिफिशियल सामान की ओर से सजाया गया। शिवरात्रि के मौके पर भूतनाथ मंदिर के प्रति युवाओं व महिलाओं की बढ़ती आस्था को देखते हुए मंदिर परिसर में तीन सेल्फी प्वाइंट भी लगाए गए हैं जिन पर श्रद्धालु सेल्फी ले सकते हैं। जोशी ने बताया कि शिवरात्रि के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने महादेव के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया तो वही रात्रि को होने वाली महा आरती के दौरान भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे। वही लक्ष्मणगढ़ भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से भूतनाथ मंदिर में भगवान भोले नाथ की काजलिया आरती का आयोजन किया गया, जिसमे अध्यक्ष जयशंकर पुजारी सहित बड़ी संख्या में भगवा रक्षा वाहिनी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसी तरह शहर के श्रद्धा नाथ आश्रम में भी शिवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वही इस मौके पर आश्रम में निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमे बड़ी संख्या में आमजन लाभान्वित हुए।

डोटासरा की सदस्यता रद्द करने की मांग, ज्ञापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ विधायक व पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी को लेकर कार्रवाई करने के संबंध में लक्ष्मणगढ़ भाजपा की ओर से सीकर जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़ के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि स्थानीय विधायक गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से हाल ही में विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी के खिलाफ जो अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी की गई है, वह निंदनीय है और डोटासरा की उक्त टिप्पणी न केवल विधानसभा की मर्यादा को ठेस पहुंचती है बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा के खिलाफ भी है। ज्ञापन में कहा गया है कि डोटासरा ने ओछे शब्दों का प्रयोग करके अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया है जिससे पूरे प्रदेश में रोष व्याप्त है। ज्ञापन में राज्यपाल से निवेदन करते हुए कहा गया है कि डोटासरा कि उक्त टिप्पणी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें विधानसभा से निलंबित किया जाए, जिससे भविष्य में किसी भी सदस्य की ओर से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और विधानसभा की गरिमा बनी रहे। ज्ञापन देने से पूर्व भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की ओर से शहर के घंटाघर से पुराना बस स्टैंड तक डोटासरा के पुतले की शव यात्रा निकाली गई और पुराना बस स्टैंड पर गोविंद सिंह डोटासरा का पुतला दहन किया गया। वही भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से गोविंद सिंह डोटासरा के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। इस दौरान भाजपा सीकर जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़, लक्ष्मणगढ़ शहर मंडल अध्यक्ष ललित पवार, युवा मोर्चा अध्यक्ष चंद्रकांत जाजोदिया, भाजपा नेता जयप्रकाश सरावगी, अरुण चौधरी, मनोज शर्मा, महेश शर्मा, संतोष वाल्मीकि, रतन सिंह बगड़ी, हेमचन्द माटोलिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़ ने स्थानीय विधायक व पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा पर हमलावर होते हुए कहा कि डोटासरा ने विधानसभा अध्यक्ष जो कि एक संवैधानिक पद होता उसके खिलाफ ऐसी अभद्र टिप्पणी की है जो एक सामान्य व्यक्ति भी नहीं कर सकता जबकि डोटासरा तो एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं, उन्होंने कहा कि मीडिया में जाने के लिए डोटासरा कुछ भी बोल देते हैं, बाटड़ ने कहा कि डोटासरा अपने वोटो के चक्कर में पूरे लक्ष्मणगढ़ की फोटो उतार रहे हैं उनका ये भाव अच्छा नहीं है। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में मांग की गई है की गोविंद सिंह डोटासरा के खिलाफ उचित करवाई की जाए जिससे कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा घटित ना हो सके।

प्रतिभाओं को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे के अभिनव बाल भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यता युवक संघ के सचिव पवन बोथरा ने की। वर्ष 2023-24 की प्रतिभाओं को पुरस्कार करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया। पवन बोथरा ने विधार्थियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि लक्ष्य के प्रति दृढ़ निश्चय होकर बड़े से बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम में अभिभावक संघ के संदीप दाधीच, रणजीत पांडे, विरेन्द्र दाधीच, मदन प्रजापति उपस्थित रहे। संदीप दाधीच ने विधार्थियों को पुन: श्रेष्ठ परिणाम देने के लिए प्रेरित किया। संस्था प्रधान अशोक कुमार ओझा ने विधालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि विद्यालय एक बार पुन: श्रेष्ठ परिणाम देने के तैयार है। कार्यक्रम में प्रकाश माली, दौलत राम सुथार, कृष्णकांत दर्जी, कमल कुमार शर्मा, धन्नाराम जाखड, दुर्गादत नेहरा, उमाशंकर पाण्डे, पूनम स्वामी, मनिषा दर्जी, सीमा सुथार, दीपिका सहित कई लोग मौजूद रहे। संचालन रामलाल सिद्ध ने किया।

महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे सभी शिवालयों में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। सभी शिवालयों में महिला पुरूष ने जलाभिषेक किया। कस्बे उत्तरादा श्मशान घाट से ग्रीन आर्मी समिति की ओर शिव बारात निकाली गई जो मुख्य मार्गों से होकर टांटिया शिवालय पहुंचे वहां शिव पार्वती विवाह की रस्म अदा की गई। उसके बाद टांटिया शिवालय में चार प्रहर पूजा और शिव का रूद्राभिषेक किया गया। वही दुसरी दक्षिण मुखी श्मशान भूतनाथ मंदिर से भी शिव बारात निकाली गई जो मुख्यमार्गों से लक्ष्मीनाथ मंदिर पहुंची। मंदिर परिसर में शिव पार्वती विवाह तथा चंग की धुन पर भोलैनाथ को रिझाया गया।

बलरामपुरा में महाशिव रात्रि पर्व मनाया

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। क्षेत्र के ग्राम बलरामपुरा में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर श्री जसनाथ सेवा समिति की ओर से जसनाथ महाराज के मंदिर में जागरण का आयोजन हुआ। जिसमें जसनाथ महाराज के जीवन व शिव भगवान का विवाह उत्सव मनाया गया। साथ में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांवरमल ढाका रहे। मुख्य अतिथि अपने उद्बोधन भाषण में आध्यात्मिक धर्म व बच्चों की भविष्य की शिक्षा के प्रति जागरूकता के बारे में विचार रखें। सम्मानित होने वाली प्रतिभा में इंद्रनाथ सिद्ध ,जेठी सिद्ध, कौशल्या ढाका, विमल सिद्ध, मोनिका सिद्ध, रेखा नाई व अन्य विद्यार्थी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भामाशाह बीरबल नाथ गोदारा, हनुमान नाथ, चेतन नाथ, लालनाथ, देदनाथ सहित गांव के कई लोग उपस्थित रहे।

वित्तीय समझदारी, समृद्ध नारी कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से संचालित क्रिसिल फाउंडेशन के वित्तीय साक्षरता केंद्र द्वारा तारानगर कस्बे के गाँव सात्यूं में भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत वित्तीय समझदारी, समृद्ध नारी, कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय रिजर्व बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक अखिलेश कुमार तिवारी ने बताया कि ने बताया कि हमें अपनी आमदनी में से कुछ बचत करनी चाहिए बैंक की विभिन्न बचत की योजनाओं से हमें जुड़ना चाहिए किसी भी प्रकार की ठगी होने पर हमें 1930 पर अपनी शिकायत तुरंत दर्ज करवानी चाहिए ताकि आर्थिक नुकसान से बचा जा सके। इसके साथ ही ग्रामीण जनों की बैंकिंग समस्याओं का समाधान भी किया। बैंक ऑफ़ बड़ौदा के अग्रणी जिलाधिकारी अमरसिंह ने सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी देते हुए बताया कि हमें अपनी बच्ची जो 10 वर्ष से छोटी हो उसका सुकन्या समृद्धि योजना का खाता अवश्य ही खुलवाना चाहिए। सात्यूं बैंक के शाखा प्रबंधक मुकेश कुमार धायल ने आरडी, एफडी, बीमा योजना की विस्तृत जानकारी दी। वित्तीय साक्षरता केंद्र के दलजीतसिंह ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना , प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की जानकारी दी। इस अवसर पर राजीविका बीपीएम राजबाला, एबीपीमएम प्रीति चौधरी, सात्यूं क्लस्टर मैनेजर सरोज रेप्सवाल, बैंक सखी सुशीला मोनिका शर्मा, राधा, आदि उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण गौ सेवा समिति चलकोई ने किया भामाशाहों का सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्री कृष्ण गौ सेवा समिति चलकोई की ओर से गौशाला में विधायक हरलाल सहारण की अध्यक्षता में व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान वापी गुजरात के गायक महेंद्र स्वामी की ओर से एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर उपस्थित जन को झूमने पर मजबूर कर दिया। गौशाला अध्यक्ष ध्रुवपाल सिंह ने बताया कि शिवरात्रि पर्व पर श्री कृष्ण गौ सेवा समिति चलकोई में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान मुख्य अतिथि राजेन्द्र राठौड़ ने गौ-अस्पताल, अनाज भंडार व चारा भंडार का उद्घाटन किया और भामाशाहों का मार्ल्यापण कर, दुपट्टा पहनाकर व प्रतिक चिन्ह् प्रदान कर सम्मान किया। भामाशाह भंवर लाल गोदारा ने गौशाला में राधा कृष्ण मंदिर का निर्माण करवाया। शास्त्री रामस्वरूप शर्मा ने नव निर्मित राधाकृष्ण व शिव मन्दिर में मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा विधिवत् पूजा-अर्चना कर करवायी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रधान दीपचंद राहड़, भाजपा नेता विक्रम सिंह कोटवाद, राजवीर सिंह चलकोई, मोहन सिंह राठौड़, डॉ. ओमप्रकाश दाधीच जोधपुर, सरपंच भंवरलाल, रामदेव मेघवाल, महात्मा गुरू कृष्ण गिरी, पदम सिंह राठौड़, कथावाचक बुधराम शर्मा व समाज सेवी नंदलाल गुरावा रहें। कार्यक्रम में भामाशाह राजवीर सिंह चलकोई ने पांच लाख रुपए, सुगनी देवी सहजुसर ने दो लाख रुपए, पूर्व नेता प्रति पक्ष राजेन्द्र राठौड़, ठेकेदार प्रताप सिंह राठौड़, प्रहलाद राय स्वामी ने एक- एक लाख रुपए, विधायक हरलाल सहारण, ध्रुव पाल सिंह बीका, प्रधान दीप चंद राहड, अर्जुन सिंह बीका ठेकेदार, सुरजन सिंह बीका ने 51-51 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग गौशाला में दिया। कार्यक्रम में चलकोई विद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस दौरान ज्ञान प्रकाश, मुकेश नेहरा व धर्मपाल ने बताया कि इस परिसर में सैंकड़ों पौधें लगाकर पार्क बनाया जाएगा। सरपंच भंवर लाल स्वामी ने गौशाला के लिए एक बीघा भूमि प्रदान की। इस अवसर पर इंद्रपुरा सरपंच किशन, पूर्व सरपंच अमर सिंह बुडानिया, पूर्व सरपंच चेतराम सहारण, प्रहलाद सिंह, रतन सिंह, महेंद्र स्वामी, कृष्ण स्वामी, मुकेश नेहरा, सज्जन सिंह, परबत सिंह, श्रवण जांगिड़, दशरथ सिंह सहित विद्यालय स्टॉफ सदस्य व ग्रामीण महिला-पुरूष उपस्थित रहे। गौशाला के राजेंद्र दाधीच ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गुड टच बैड टच कार्यशाला का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय में महिला अधिकारिता विभाग और इनाया फाउंडेशन की और से बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ विषय पर आयोजित गुड टच बैड टच कार्यशालाओं में करीब 300 छात्र छात्राओं को सरदारशहर थाने में स्थापित इनाया फाउंडेशन क़े महिला सुरक्षा सलाह केंद्र की विधि सलाहकार इंद्रा कुमारी और सामाजिक सालाहकर तारा शर्मा और ऐडवोकेट ऋतु ने महिला सहायता सलाह केंद्र की ओर से महिलाओं क़े साथ होने वाले अपराधों में की जाने वाली सहायता क़े बारे में विस्तार से जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि इनाया फाउंडेशन को 2017 से झालावाड़ ज़िला प्रशासन कलेक्टर डॉ जीतेन्द्र कुमार सोनी की पहल समझ स्पर्श की चुप्पी तोड़ो कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन पर इनाया फाउंडेशन को अब तक 15 बार ज़िला स्तर पर और 3 बार राज्य स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। समझ स्पर्श की चुप्पी तोड़ो कार्यक्रम क़े माध्यम से अब तक करीब 18 जिलों क़े 350000 छात्रों - छात्राओ, टीचर्स, प्रिंसिपल और पेरेंट्स को जागरूक किया जा चुका है और अब बाकी जिलों के छात्र-छात्राओं तक पहुँचकर उनको जागरूक करने का लक्ष्य है। इनाया फाउंडेशन क़े टीम कोर्डिनेटर रोहित शर्मा ने बताया की कार्यक्रम में पॉक्सो एक्ट 2012, चाइल्ड हेल्पलाइन न 1098, आत्म रक्षा, बाल विवाह उन्मूलन, वर्चुअल टच जैसे अपराधों से बचाव पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण क़े बाद बच्चों से प्रश्न पूछे गए जिनका सही जवाब देने वालों को कैप, जूट बैग और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर में बच्चों के स्वास्थ्य की जांच

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय उप जिला अस्पताल में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग खंड सरदारशहर के तत्वाधान में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र व मदरसा के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच को लेकर निशुल्क शिविर लगाया गया। शिविर में राजकीय विद्यालय व आंगनबाड़ी व मदरसा में स्वास्थ्य प्रशिक्षण के बाद चिन्हित किए गए बच्चों को शिविर में जांचकर जटिल आपरेशन व अन्य रोगों से ग्रसित बच्चों को जिला अस्पताल व हायर सेंटर रेफर किया गया। जिन बच्चों का राजकीय उप जिला अस्पताल में उपचार संभव था उनको यहां भर्ती किया गया। अन्य बच्चों की जांच कर दवाइयां दी गई। राजकीय उप जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ चंद्रभान जांगिड़ ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार निशुल्क जांच परामर्श शिविर लगाया गया है। जिसमें राजकीय विद्यालय व आंगनबाड़ी व मदरसा के बच्चों का स्वास्थ्य प्रशिक्षण किया गया। राज्य सरकार की ओर से चलाए गए अभियान के तहत स्वास्थ्य प्रशिक्षण में जिन बच्चों का स्वास्थ्य सही पाया गया उनको दवाइयां देकर लाभान्वित किया गया। अन्य जो बच्चे नाक, कान, गला, हाथ पैर आदि रोगों से ग्रसित बच्चों को जिला अस्पताल व हायर सेंटर बेहतर उपचार के लिए रेफरल किया गया है। स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ चंद्रभान जांगिड़, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ पवन शर्मा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अजीत चौधरी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ गजेंद्र मीणा, नर्सिंग कर्मी नरेंद्र मीणा, फार्मासिस्ट सुरेंद्र सिंह, डॉ रोहित परीक आदि ने अपनी सेवाएं दी।

परीक्षार्थियों के लिए रोडवेज प्रशासन ने लगाई अतिरिक्त बसें

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा देने वाले अधिकतर अभ्यर्थी रोडवेज बसों में यात्रा कर रहे हैं। सरदारशहर के अधिकतर अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्र चूरू और रतनगढ़ आया है। इसके अलावा सरदारशहर के अभ्यर्थी हनुमानगढ़, बीकानेर और सीकर भी पेपर देने के लिए जा रहे हैं। सरकार की ओर से सभी अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की व्यवस्था की गई है। वहीं सरदारशहर डिपो के यातायात प्रबंधक नगेंद्रसिंह मीणा ने बताया कि सरदारशहर रोडवेज डिपो से करीब 22000 विद्यार्थी 27 फरवरी को रोडवेज बसों से आवागमन करेंगे। उन्होंने बताया कि गुरुवार को 10 अतिरिक्त बसें अभ्यर्थियों के लिए भेज दी गई है। रोडवेज बसों में यात्री भार इतना है कि अधिकतर अभ्यर्थी बसों में खड़े होकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने पर मजबूर है। हालांकि रोडवेज प्रशासन की ओर से अपनी ओर से हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं कि परीक्षा केंद्र तक पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। लेकिन यात्री भार इतना है कि परीक्षार्थी बसों में खड़े होकर यात्रा करने पर मजबूर है। कुछ बसों में तो अभ्यर्थी बसों के दरवाजे पर लटक कर यात्रा करते हुए दिखाई दिए। बता दे कि सरकार की ओर से अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की घोषणा तो कर दी जाती है। लेकिन बसों की पर्याप्त संख्या नहीं होने के कारण अभ्यर्थियों को हर बार परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्वयंसेवकों ने की महाविद्यालय में सफाई

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ज्ञानीराम हरकचंद सरावगी राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य विनीता चौधरी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। प्रभारी प्रदीप कुमार जोशी व पूजा शर्मा के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई कर श्रमदान किया और कचरे का निस्तारण किया।

सरदारशहर पंचायत समिति में बनेगा आधुनिक पार्क

10 लाख की लागत से ओपन जिम और वॉकिंग ट्रैक की सुविधा

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के पंचायत समिति परिसर में 10 लाख रुपये की लागत से एक आधुनिक सार्वजनिक पार्क का निर्माण किया जा रहा है। 150 बाई 150 फीट के इस पार्क में ओपन जिम, वॉकिंग ट्रैक, फुलवारी और पैदल चलने के लिए अलग फुटपाथ बनाए जाएंगे। पार्क निर्माण के दौरान भाजपा नेता मधुसूदन राजपुरोहित और विकास अधिकारी महेंद्र सोलंकी ने निरीक्षण किया। राजपुरोहित ने कहा कि निर्माण में उच्च गुणवत्ता का सामान इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर निर्माण फर्म का भुगतान रोक दिया जाएगा। चूरू जिले में सरदारशहर पंचायत समिति पहली ऐसी पंचायत समिति होगी जहां इस तरह का सार्वजनिक पार्क बनेगा। यह पार्क 63 ग्राम पंचायतों के सरपंचों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक होगा। पहले लोगों को बैठने में परेशानी होती थी लेकिन अब यह समस्या दूर हो जाएगी। पार्क के आसपास एसडीएम कार्यालय, पंचायत समिति, कोर्ट परिसर, डीएसपी कार्यालय और महिला बाल विकास कार्यालय जैसे कई सरकारी कार्यालय हैं। इस स्थान पर पार्क बनने से आम लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ लेखा अधिकारी निरंजन पारीक, अंजुमन, शंकर लाल सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

विज्ञान मेले से विद्यार्थियों में नवीन वैज्ञानिक दृष्टिकोण का होता है विकास

एस.के मेमोरियल स्कूल में विज्ञान मेला आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय एस.के मेमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में गुरुवार को विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने 60 मॉडल प्रदर्शित किए। विद्यालय प्रबंधक एल. एन. इन्दोरिया ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है। संस्था प्रधान अनिल शर्मा व राजीव शर्मा ने बताया कि विज्ञान दिवस पर विज्ञान मेले के आयोजन से विद्यार्थियों में नवीन वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है। शर्मा ने बताया कि विद्यालय में विज्ञान मेले का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इस मेले में जूनियर सेक्शन में कक्षा 4 की सुहासिनी ने प्रथम, कक्षा 4 की पलक व कक्षा 5 जागृति ने द्वितीय, कक्षा 3 के हसन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर सेक्शन में कक्षा 7 के फरहान ने प्रथम, कक्षा 7 के फलहा ने द्वितीय व कक्षा 6 के अकरम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर दीपक, अंकिता, नारायण, पूजा, सरिता, अन्नू, किरण, अंकित, जुबेर, विजय, प्रमिला, मिनाक्षी, पूनम, अर्चना, सुमित्रा, ज्योति, आयशा, अफशाना, पूनम व कमला सहित बड़ी संख्या में स्टॉफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शांति भंग के आरोप में दो सगे भाई गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कोतवाली पुलिस ने शांति भंग के आरोप में दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया है। सीआई बेगाराम मीणा ने बताया कि शांति भंग करने के आरोप में पुलिस ने जावेद उर्फ जावा और राहुल खान उर्फ मोंटी पुत्र युसुफ खान, निवासी होली धोरा सुजानगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां दस-दस हजार रूपये के मुचलके पर 6 माह के लिए पाबंद किया गया है। ज्ञात रहे कि होली धोरा निवासी सिकन्दर खान कायमखानी पुत्र रूस्तम खान ने थाने में राहुल खान उर्फ मोंटी के खिलाफ हफ्ता मांगने और हफ्ता नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप का परिवाद दिया था।

ओंकार पारीक होंगे आसाम में सम्मानित

जयपुर टाइम्स

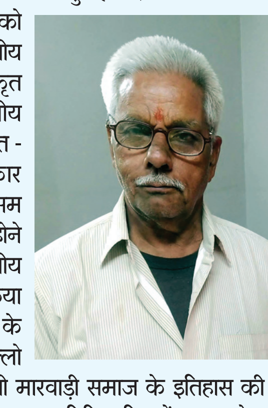

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ निवासी व गुवाहाटी प्रवासी वरिष्ठ पत्रकार और अनुवादक ओंकार पारीक को लेखन के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवा को मद्देनजर रखते हुए पुरस्कृत किया जाएगा। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से प्रदत्त - जीएल अग्रवाल स्मृति पुरस्कार आगामी 22 व 23 मार्च को असम के सिल्चर शहर में आयोजित होने वाले सम्मेलन के 17 वें प्रांतीय अधिवेशन के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। ओंकार पारीक पूर्वोत्तर के मारवाड़ी समाज के इनसाइक्लो पीडिया माने जाते हैं, जिन्हें प्रवासी मारवाड़ी समाज के इतिहास की पूरी जानकारी है। समय-समय पर समाज व विविध विषयों पर इनके शोध आलेख प्रकाशित होते रहते हैं और कई स्मारिकाओ का संपादन भी कर चुके हैं। डिब्रूगढ, असम में जन्मे पारीक ने 1973 से 1975 साइकिल से भारत भ्रमण कर पूर्वोत्तर के मारवाड़ी समाज में एक अभिलेख स्थापित किया, इनका ये रिकॉर्ड आज भी बरकरार है। सुजानगढ़ के सांड चौक निवासी पारीक के सम्मान की घोषणा से शुभचिन्तकों में हर्ष और खुशी की लहर है। सुजानगढ़ के हाजी सम्सुद्दीन स्नेही, डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा, डॉक्टर शर्मिला सोनी, स्नेहप्रभा मिश्रा व मोहनलाल शास्त्री ने पारीक को हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

28 रोगियों के लैंस प्रत्यारोपण

सुजानगढ़(नि.सं.)। द् यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ की ओर से कमलेश भरत डूंगरवाल सुजानगढ़ निवासी बेंगलूरु प्रवासी के सौजन्य से व क्लब अध्यक्ष निर्मलकुमार भूतोडिया की प्रेरणा से आयोजित हुए निशुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर का समापन गुरुवार को हुआ। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि उक्त शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.अपूर्व कोटिया की ओर से 28 नेत्र रोगियों के निशुल्क लेंस प्रत्यारोपण डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल में निशुल्क किए गए। इस अवसर पर दानमल शर्मा, गोपाल चोटिया, ललित सोनी, गिरधर भोजक, योगेन्द्र भोजक, राजेन्द्र गिडिया, पूसाराम, मनोज शर्मा, ओमप्रकाश आदि मौजूद रहे।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
28 फरवरी, 2025

आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन, सर्व समाज का धरना समाप्त

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के जिला परिषद सदस्य चूरू तिलोकराम कस्वां को जान से मारने की धमकी देने वालों की गिरफ्तारी मांग को लेकर कस्बे के सर्वसमाज के लोगों ने पुलिस थाने के सामने धरना दिया व पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। लगभग 3 घंटे तक चले विशाल धरने के बाद पुलिस के उच्च अधिकारियों से सहमति के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। धरने के दौरान थाने का पुलिस जाप्ता तैनात रहा। इस मौके पर जिप सदस्य विमला कालवा, हरिसिंह बेनिवाल, निर्मल प्रजापत, उमराव सिह, श्रवण गड़ाना, मुंशी खाँ तेली, जीतराम जांदू, कुरड़ाराम शर्मा, मानसिंह सैनी, जयनारायण सहारण, विकास धेतरवाल, मनोज कस्वां, सुरेन्द्र पूनिया सहित सर्वसमाज के सैकड़ों लोग धरने में शामिल हुए।

हरियालो राजस्थान के क्रियान्वयन को लेकर बैठक 3 मार्च को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में 3 मार्च को सवेरे 10.30 बजे डीओआईटी वीसी सभागार में मल्टी सेक्टोरल प्रोग्राम के रूप में मिशन "हरियालो राजस्थान" के क्रियान्वयन के तहत एक्शन प्लान तैयार करने के संबंध में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की जाएगी। डीसीएफ वीरेंद्र कृष्णिया ने बताया कि बैठक में हरियालो राजस्थान मिशन से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

चूरू में रीट की परीक्षा देने के लिए परीक्षा केंद्रों में जुटे परीक्षार्थी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले में रीट परीक्षा का आयोजन 47 परीक्षा केंद्रों पर किया जा रहा है। इनमें चूरू में 32 और रतनगढ़ में 15 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा दो पारियों में आयोजित की गई है। लेवल प्रथम परीक्षा पहली पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे आयोजित की गई। इसमें 7,976 अभ्यर्थी शामिल हुए। पहली पारी की परीक्षा शांतिपूर्ण रही। दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक लेवल प्रथम और द्वितीय के लिए होगी, जिसमें 14,561 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। शुक्रवार को पहली पारी में लेवल द्वितीय की परीक्षा होगी, जिसके लिए 14,550 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। इस बार परीक्षा में नकल रोकने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। एडमिट कार्ड में क्यूआर कोड दिया गया है, जिससे अभ्यर्थी की पूरी जानकारी तुरंत सामने आ जाएगी। डमी परीक्षार्थियों को रोकने के लिए पहली बार फेस रिकग्निशन की व्यवस्था की गई है। साथ ही अंगूठे का फिंगरप्रिंट भी लिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रोडवेज ने 10 रिजर्व बसें लगाई है जिनमें सरदारशहर और चूरू डिपो की 5-5 बसें शामिल है।

ट्रैक्टर ट्राली पलटने से ड्राइवर की मौत

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। एनएच-52 पर रामसरा गांव के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली के सामने अचानक नीलगाय आ गई। ड्राइवर ने नीलगाय को बचाने का प्रयास किया, लेकिन ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया। इससे ट्रैक्टर चला रहे युवक की मौत हो गई। सदर थाना की हेड कॉन्स्टेबल धापी देवी ने बताया कि हरियाणा के

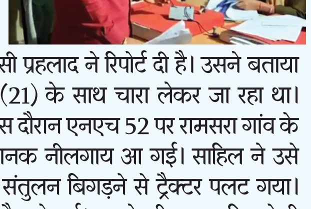

सिरसा जिले के नाथोर गांव निवासी प्रहलाद ने रिपोर्ट दी है। उसने बताया कि वह अपने छोटे भाई साहिल (21) के साथ चारा लेकर जा रहा था। ट्रैक्टर को साहिल चला रहा था। इस दौरान एनएच 52 पर रामसरा गांव के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली के सामने अचानक नीलगाय आ गई। साहिल ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर पलट गया। उसके नीचे दबने से साहिल की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही सदर थाना की हेड कॉन्स्टेबल धापी देवी मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को डीबी अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया। गुरुवार शाम को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आठ केंद्रों पर रीट परीक्षा का आयोजन

रतनगढ़(निस)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर की ओर से राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा 2024 का आयोजन शहर में गुरुवार को दो पारियों में किया गया। प्रथम पारी में शहर के आठ केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें तीन हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और द्वितीय पारी में 15 केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन हुआ, जिसमें पांच हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। लेवल प्रथम परीक्षा सुबह 10 से दोपहर साढ़े 12 बजे हुई, जिसके लिए तीन हजार 60 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 239 अनुपस्थित रहे और दो हजार 821 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। वहीं द्वितीय पारी में 15 केंद्रों पर शाम तीन से साढ़े पांच बजे तक चली परीक्षा के लिए पांच हजार 129 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 267 अनुपस्थित रहे और चार हजार 862 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। शुक्रवार को लेवल द्वितीय की परीक्षा का आयोजन होगा।

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने दिए निर्देश

कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के लिए होगी आंतरिक शिकायत समिति गठित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले के समस्त राजकीय कार्यालयों में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले के समस्त कार्यालयाध्यक्षों को उनके कार्यालय, अधीनस्थ कार्यालयों, संस्था, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, संस्थानों, निकायों, राजकीय संगठनों इत्यादि के जिला, ब्लॉक व ग्राम स्तर के कार्यालयों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन करने के निर्देश दिए है। निर्देशानुसार जिन कार्यालयों में 10 या 10 से अधिक कार्मिक पदस्थापित हैं, उनमें आंतरिक शिकायत समितियों का गठन कर रिपोर्ट चाही गई है। इसी के साथ जिन कार्यालयों में समिति का गठन नहीं किया गया है, उन कार्यालयों में 5 दिवस में आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक जयप्रकाश ने बताया कि अधिनियम की धारा 26 (1) (ए) के अनुसार इस प्रावधान के उल्लंघन पर अधिकतम पचास हजार रुपए की शास्ति का प्रावधान है। संबंधित प्रपत्र व नियम/अधिनियम के लिए विभाग की बेबसाइट www.wcd.gov.in , www.wcd.rajasthan.gov.in एवं www.shebo&.wcd.gov.in पर विजिट किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यदि संस्थान, कार्यालय की आंतरिक शिकायत समिति 03 वर्ष या इससे अधिक पुरानी है तो अधिनियम के अनुसार समिति का पुनर्गठन किया जाए। आंतरिक शिकायत समिति के अध्यक्ष / सदस्य में किसी अधिकारी, कर्मचारी का स्थानांतरण हो जाने पर उसके स्थान पर नवीन का मनोनयन किया जाए। आंतरित समिति का गठन करके निर्धारित प्रपत्र में सूचना भरकर भिजवाना आवश्यक है। सूचनाएं विभाग के ईमेल पर भिजवाई जाए। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए शी-बॉक्स प्रभारी अंजना गुप्ता मोबाइल नंबर 9928665213 व ज्ञानप्रकाश गोदारा मोबाइल नंबर 9414823082 से संपर्क किया जा सकता है।

नोडल अधिकारी नियुक्त

कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध व प्रतितोष) अधिनियम, 2013 की अनुपालना में कामकाजी महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों के लिए सभी ब्लॉक व तहसील स्तर पर तहसीलदार तथा शहरी क्षेत्र हेतु संबंधित नगरनिगम, नगरपरिषद, नगरपालिका के आयुक्त व अधिशाषी अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संबंधित उपखंड अधिकारियों को संबंधित उपखंड क्षेत्र के कार्यालयों में आंतरिक शिकायत समिति के गठन सुनिश्चित करने व मॉनीटरिंग कर रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह रहेगा आंतरिक शिकायत समिति गठन का प्रारूप

महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक जयप्रकाश ने बताया कि महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध व प्रतितोष) अधिनियम, 2013 की धारा 4 (1) के अनुसार प्रत्येक नियोक्ता को अपने कार्यास्थल के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन करना आवश्यक है। विभिन्न पेशेवरों/ व्यावसायियों (चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, वास्तुकारों, चार्टट अकाउंटेंट, इंजीनियर्स, बैंकर्स व अन्य) के राज्य व सर्वोच्च स्तर के वैधानिक निकायों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रशिक्षण केन्द्रों, शिक्षण संस्थानों, क्रीड़ा संकुलों, खेल स्थलों, स्टेडियम और सरकारी व गैर सरकारी अस्पतालों/ नर्सिंग होमों की ओर से भी आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना है। उन्होंने बताया कि समिति में अध्यक्ष के लिए ऐसी महिला का नामांकन किया जाए, जो उस कार्यस्थल के सभी कार्यरत कर्मचारियों में से वरिष्ठ स्तर पर कार्यरत हो। यदि ऐसी वरिष्ठ स्तरीय महिला कर्मचारी उपलब्ध नहीं है तो संबंधित संस्था के अन्य कार्यालय अथवा प्रशासनिक इकाईयों में कार्यरत महिला कर्मचारी को नामांकित किया जाएगा। यदि उस कार्यस्थल के अन्य कार्यालयों अथवा प्रशासनिक इकाईयों में भी ऐसी वरिष्ठ स्तरीय महिला कर्मचारी उपलब्ध नहीं है तो उस नियोक्ता के अन्य कार्यस्थलों अथवा विभाग अथवा संगठन में कार्यरत महिला कर्मचारी को नामांकित किया जाएगा। कार्यालयाध्यक्ष, प्रधानाचार्य या चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अध्यक्ष नहीं होगा। समिति में कम से कम दो सदस्यों को उस कार्यस्थल के सभी कार्यरत कर्मचारियों में से नामांकित किया जाएगा जो महिलाओं से सम्बन्धित विषयों के प्रति कार्य करने में पर्याप्त अनुभवी एवं समर्पित हों और जिनको सामाजिक कार्य अथवा कानूनी जानकारी हो। इसी के साथ एक सदस्य ऐसी स्वयंसेवी संगठनों में से नामित किया जाएगा ,जो महिलाओं के विषयों के प्रति समर्पित हो व ऐसा व्यक्ति यौन शोषण के मुद्दे में पर्याप्त जानकारी रखता हो। नामित सदस्यों में से कम से कम 50 प्रतिशत सदस्य महिलाएं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष व सदस्यों के कार्यकाल का निर्धारण नियुक्ति की तिथि से नियोक्ता की ओर से निर्धारित अवधि के अनुसार (अधिकतम 3 वर्ष) किया जाएगा। स्वयं सेवी संगठनों में से नामित सदस्यों को आंतरिक शिकायत समिति की कार्यवाही के आयोजन के लिए मानदेय, भत्ते और यात्रा पर उसकी ओर से खर्च की गई राशि का भुगतान महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण प्रतिषेध व प्रतितोष) नियम, 2013 के अनुसार दिये जा सकेंगे। अध्यक्ष व मनोनीत सदस्यों को अधिनियम की धारा 16 के विरूद्ध व अन्यथा जैसा अधिनियम की धारा 4(5) में प्रदत्त है, कार्य करने पर पदच्युत किया जा सकेगा व इसके फलस्वरूप उत्पन्न रिक्ति अथवा अन्यथा उत्पन्न रिक्ति को अधिनियम के अन्तर्गत नवीन नियुक्तियों से भरा जा सकेगा। अधिनियम के अध्याय 8 की धारा 21 (1) की पालना में आंतरिक शिकायत समितियों की ओर से प्रत्येक कैलेण्डर वर्ष के लिए निर्धारित फार्म में एक वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर नियोक्ता की ओर से जिला अधिकारी (जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट) को प्रेषित की जाएगी, जिसमें वर्ष में प्राप्त लैंगिक उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या, वर्ष के दौरान निस्तारित की गई शिकायतों की संख्या, 90 दिन से अधिक अवधि तक लंबित मामलों की संख्या, लैंगिक उत्पीड़न के विरूद्ध क्रियान्वित कार्यशालाओं या जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या व नियोक्ता की ओर से की गई कार्यवाही का स्वरूप आदि ब्यौरे शामिल होंगे।

निर्वाचन विभागः प्रभावी मीडिया मॉनिटरिंग, राज्य स्तर पर 4 सदस्यीय विशेष समिति गठित

चुनाव संबंधी गलत व भ्रामक सूचनाओं पर निगरानी के लिए जिला स्तरीय समितियां होंगी अधिक सक्रिय

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। राजस्थान निर्वाचन विभाग व भारत निर्वाचन आयोग की गतिविधियों और क्रियाकलापों सहित लोकसभा और राज्य विधानसभा से सम्बंधित चुनावी प्रक्रिया के बारे में जन संचार माध्यमों में भ्रामक अथवा गलत खबरों, सूचनाओं (फेक न्यूज) के प्रसारण को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इसके लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (जिला कलक्टर) को निर्देश जारी किए हैं। महाजन ने निर्वाचन विभाग में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में प्रसारित चुनाव संबंधी सूचनाओं की मॉनिटरिंग व कार्यवाही के लिए राज्य स्तर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में एक चार-सदस्यीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समिति गठित की है। यह समिति मीडिया में प्रकाशित भ्रामक जानकारी व गलत तथ्यों वाले समाचारों के बारे में जिला स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही के लिए समन्वय का कार्य करेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जिलों में विभिन्न मीडिया माध्यमों यथा समाचार-पत्र पत्रिकाओं, समाचार चैनल और सोशल मीडिया की नियमित रूप से प्रभावी निगरानी की जाए। इसके लिए जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग व सर्टिफिकेशन समिति (डीएमसीएमसी) सक्रिय रहकर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया माध्यमों पर निर्वाचन आयोग और चुनावी प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रकाशित अथवा प्रसारित संवेदनशील खबर और सूचना विशेष पर नजर रखे। किसी भ्रामक, गलत अथवा संदेहास्पद सूचना के प्रकाशन पर त्वरित संज्ञान लेकर सम्बंधित विभाग अथवा शाखा से उसका तथ्यात्मक विवरण प्राप्त कर सही जानकारी व तथ्य सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किए जाएं। गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समिति (डीएमसीएमसी) कार्यरत है। इस समिति में सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिले में कार्यरत केन्द्र सरकार के सूचना सेवा के अधिकारी, स्थानीय स्वतंत्र पत्रकार और सोशल मीडिया विशेषज्ञ सदस्य के रूप में शामिल हैं। जिला सूचना व जन सम्पर्क कार्यालय का प्रभारी अधिकारी इस समिति का सदस्य सचिव है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस समिति को अधिक सजग और सक्रिय रहकर मीडिया में प्रसारित चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी सूचनाओं की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिला समिति स्थानीय स्तर पर प्रकाशित अथवा प्रसारित हुई फेक न्यूज और उसके विषय में की गई कार्यवाही के बारे में विभाग को तत्काल अवगत करवाएगी।

ऑपरेशन गरिमा कल से

चूरू(निस)। स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेन्टर, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, पार्क व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर महिलाओं/ बालिकाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़, छींटाकशी आदि घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए 1 मार्च, 2025 से 15 मार्च, 2025 तक राज्य व्यापी अभियान 'ऑपरेशन गरिमा' चलाया जाएगा। एसपी जय यादव ने जिले में ऑपरेशन गरिमा के दौरान की जाने वाली गतिविधियों के लिए संबंधित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए हैं।

खाद्य सुरक्षा पोर्टल में इस साल 7 लाख लोगों को जोड़ाः गोदारा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि 26 जनवरी 2025 से खाद्य सुरक्षा पोर्टल खोल दिया गया है और इसमें निरंतर नए लाभार्थियों को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पोर्टल खुलने के पश्चात् लगभग 7 लाख नए व्यक्तियों को जोड़ा गया है, जिनमें ज्यादातर शादीशुदा महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। पिछले साल 12 लाख 95 हजार लोगों को जोड़ा गया था। गोदारा ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से ई-केवाईसी में 10 साल से छोटे बच्चों तथा 70 साल से ज्यादा की उम्र वाले बुजुर्गों को आइरिस स्कैनिंग व ई- केवाईसी से छूट दी गई है। खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य की ओर से इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि डीडवाना विधानसभा क्षेत्र में कुल राशन कार्डों की संख्या 1 लाख 1 हजार 291 हैं, तथा 4 लाख 7 हजार 367 यूनिट को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बतायाकि पिछले वर्ष योजना में 3 हजार 580 लाभार्थियों को जोड़ा गया था। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विधानसभा क्षेत्र डीडवाना से 4 हजार 276 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इससे पहले विधायक यूनुस खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि विधान सभा क्षेत्र डीडवाना में 124 उचित मूल्य की दुकानें संचालित हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित 500 राशन कार्ड अथवा 2000 यूनिट पर उचित मूल्य दुकान आवंटन के निर्धारित मापदण्डानुसार है। उन्होंने डीडवाना विधान सभा क्षेत्र में उचित मूल्य दुकानवार, पात्र परिवारवार विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि 07 अप्रेल 2010 तथा 26 दिसम्बर 2019 के विभागीय निर्देशों से राष्?ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत चयनित 500 राशनकार्डों अथवा 2000 यूनिट पर नवीन उचित मूल?य दुकान खोले जाने के मापदण्ड निर्धारित है। उन्होंने कहा कि नवीन उचित मूल्य की दुकान खोला जाना एक सतत् प्रक्रिया है। गोदारा ने कहा कि जिला डीडवाना-कुचामन में कुल 4,99,382 राशन कार्ड धारक हैं। खाद्य सुरक्षा योजना में 2,86,644 परिवारों के 12,14,998 यूनिट को उक्त योजना का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने विधानसभावार विवरण सदन के पटल पर रखा।

पेयजल दुरुपयोग रोकने को जागरूकता के साथ अवैध कनेक्शन काटने का चला विशेष अभियान

बीकानेर(निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संकल्प है कि प्रदेश के अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को पर्याप्त पेयजल मिले। इसके मद्देनजर जलदाय विभाग को अतिरिक्त संवेदनशीलता और गंभीरता से कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही पेयजल का दुरुपयोग रोकने की दिशा में भी सतत कार्य किया जा रहा है। आमजन को स्वच्छ, गुणवत्तायुक्त व निर्बाध पेयजल उपलब्ध करवाने की दिशा में गंभीर कार्य हो रहे हैं। इसके तहत पेयजल चोरी करने वालों और अवैध कनेक्शन करने वालों के विरुद्ध भी सतत कार्यवाहियां की जा रही हैं। बीकानेर जिले के जलदाय विभाग की ओर से अवैध जल कनेक्शन को चिन्हित करते हुए कनेक्शन काटने व उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि फरवरी माह में विभाग की ओर से 241 अवैध जल कनेक्शन चिह्नित करते हुए काटने की कारवाई अमल में लाई गई है। अवैध जल कनेक्शनों के कारण पानी की आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होती है

बिजली कटौती से अन्नदाता परेशान, बुकनसर व जेतसीसर में प्रदर्शन

बिजली की मांग को लेकर किसानों का धरना-प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव जैतसीसर के 33 केवी जीएसएस पर भारतीय किसान संघ के बैनर तले बिजली की समस्या के समाधान को लेकर किसानों का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। भारतीय किसान संघ के प्रांत मंत्री श्रीचंद सिद्ध ने बताया कि कृषि कनेक्शनों पर बिजली विभाग की ओर से पर्याप्त 6 घंटे बिजली नहीं दी जा रही है। जिससे किसानों की फसलें चौपट होने की कगार पर पहुंच गई है। किसानों की ओर से लगातार बिजली विभाग के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। अधिकारी आश्वासन के अलावा और कुछ भी नहीं कर रहे हैं। जिससे किसानों में आक्रोश देखा जा रहा है। जैतसीसर गांव के जीएसएस पर किसानों का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। धरने पर तहसील अध्यक्ष शैतान सिंह गुर्जर, तहसील मंत्री रामलाल पुरोहित, राकेश सींवर रातूसर, मोहरसिंह फौजी भाऊवाला, खीराजाराम ढ़ाका नीमरासर, विनोद सारस्वत, हरिराम रूहिल, कालूराम, काशीराम पांडिया, डालचंद सींवर, आदूराम मेघवाल, महेंद्र गोदारा, निराण सिंह, मनोहर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान धरने पर बैठे हैं।

किसानों ने 132 केवी जीएसएस में किया प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के बुकनसर छोटा गांव के अंतर्गत आने वाले 9 गांवो के किसानों ने गुरुवार को विद्युत समस्या को लेकर 132 केवी जीएसएस में प्रदर्शन किया और अधिकारियों से वार्ता कर समस्या के समाधान की मांग की। इस अवसर पर उड़सर लाडेरा पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि भागीरथ सारण ने बताया कि बुकनसर छोटा जीएसएस के अंतर्गत आने वाले 9 गांव के किसानों को लगातार बिजली की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ना तो किसानों को पूरी बिजली मिल रही है और जो बिजली मिल रही है वह कम वोल्टेज में मिल रही है। बार बार ट्रिपिंग की समस्या आ रही है जिसके कारण किसानों के कुओं पर लगी मोटर जल रही है। जिसके कारण किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना भी करना पड़ रहा है। भागीरथ सारण ने बताया कि हमने विद्युत विभाग के अधिकारियों से वार्ता की है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो हम जीएसएस पर धरना देकर उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।